দাজিংশ খণ্ড স্বরবিতান রবীক্রনাথ ঠাকুর



বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ কলিকাতা

শ্বলিপিকার স্থ্যোতিরিন্দ্রনাথ ঠাকুর ইন্দিরাদেবী চৌধুরানী, দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর

প্রকাশ আখিন ১৩৬০ প্রবৃমুক্তণ আখিন ১৩৭০ সংস্করণ মাঘ ১৩৭৭ প্রবৃমুক্তণ ফান্ধন ১৩৮২, জ্যৈষ্ঠ ১৩৮৮, জ্যৈষ্ঠ ১৩৮২ অগ্রহায়ণ ১৩৯৪: ১৯০৯ শক

🖒 বিশভারতী

প্রকাশক শ্রীজগদিজ ভৌমিক বিশ্বভারতী। ৬ শাচার্য জগদীশ বহু রোড। কলিকাভা ১৭ মূলক শ্রীসিদার্থ মিত্র বোধি প্রোস। ধবি শঙ্কর ঘোষ লেন। কলিকাভা ৬

এখনো তারে চোখে দেখি নি	e
ও কি স্থা, মূছ আঁথি	>
ও কেন চুরি ক'রে চায়	•
ওগো, ভোরা কে যাবি পারে	>•
ওহে স্বন্দর, মম গৃহে আজি	>5
ক্থন বস্স্ত গেল	>8, >9
কেন রে চাস ফিরে ফিরে	₹•
কেহ কারো মন ৰুঝে না	२२
খুলে দে ভরণী, খুলে দে ভোরা	₹8
গেল গো— ফিরিল না	26
তবে শেষ করে দাও শেষ গান	29
দীড়াও মাথা থাও, যেয়ো না স্থা	22
ছজনে দেখা হল মধ্যামিনী রে	۰.
ধীরে ধীরে প্রাণে আমার	99
না সজনী, না, আমি জানি	96
পুরানো সেই দিনের কথা	৩৭
প্রমোদে ঢালিয়া দিহু মন	%>
ফিরায়ো না মৃথথানি	82
বঁধু, মিছে রাগ কোরো না	10
বলি গো সঞ্জনি, যেয়ো না	8.0
মা আমার, কেন তোরে স্লান নেহারি	89
মা, একবার দাঁড়া গো হেরি	81-
যাহা পাও ডাই লও	€8
সকলি ফুরাইল। যামিনী পোহাইল	••
পথা হে, কী দিয়ে আমি ত ৃষিব তোমায়	e>
স্থী বলো দেখি লো	€9
সহে না যাতনা	ee
হল না লো, হল না, সই	47
চা স্থী, ৩ আদরে আরো বাড়ে	65
প্রদয়ের মণি আদরিণী মোর	••

ইমন-কল্যাণ। কাওয়ালি

এখনো তারে চোখে দেখি নি, তথু বাঁশি তনেছি—
মন প্রাণ যাহা ছিল দিয়ে ফেলেছি ॥
তনেছি মুরতি কালো, তারে না দেখা তালো,
সধী, বলো আমি জল আনিতে যমুনায় যাব কি ॥
তথু স্বপনে এসেছিল সে, নয়নকোণে হেসেছিল সে।
সে অবধি, সই, ভয়ে ভয়ে রই— আঁথি মেলিতে ভেবে সারা হই
কাননপথে যে থুশি সে যায়, কদমতলে যে খুশি সে চায়—
সধী, বলো আমি আঁথি তুলে কারো পানে চাব কি ॥

[भा -त्रभंता - भा] II { সা -র|: -স: রা | রা -গা: -মগ: -রা I গা -পা: -আ: পা | আনা আমপধা পা আমপা I · (3 চো খে • দে খি • নো তা I (গা -রগরা -সা -1)} | গা -রা গা গমা I গা রগা রা সরা | সা -1 -1 I নি • **9** 4• বাঁ শি॰ ভ নে৽ চি • • • নি I রাগারগরাসা I সাসাসাসা I সার্সানাধা I জনপধা-পধপা-মপা-I I Iमन था•• ग गाराहिन मि प्राप्त ल € · · · [शा -र्मा] II { १४ ता - | - | अर्जा | अर्ज्जना - अर्जा - | - नअर्जा I का ना ना | धनका - भा (- व्याभा - भा) } I व्याभा भा I ৬ • লে• ছি••• • • • মুর ডিকা লো•• • ক্ষপথা-পাক্ষাগা I গুৱা-গা-া রা রনা-রা-াসা Iস থি জা • ব • লো না দে খা ভা লো • • I শ্লাসারাগা | শরাগাফলা-পা I শফলা-পাধা-না | ফলপধা-পকলা-পা-কলপা I [] I

য

• व • कि•• ••

জল্মানিতে যুদার

- II { গা রগা সা রা | বপা 1 1 বরপা I গা রগরা সা রা | গা 1 1 1 I

 ভ ধু ব প নে • এ সে ছিল সে • •
- I সাসসানাধা| হ্মপা-ধপধপা-ক্ষপা I সারাসারা|(সা-া-রা-সরসা)} | সা-া-া:-র: I ন য় ন কো ণে ৽ • • হে সেছিল সে • • •
- I { ମା ମା পା পା | আলপা -ধপক্ষা -পা -I আল পা নাধা| আলপধা -পধক্ষা -পা -স্মপা $\}$ I সে অনুব ধি সং ১০০ টি ও য়ে ভয়ে র০০ ১০০ টি
- I গারগাসারা | পা-া-।-ক্লপা I গারান্য | সা-া-। I I আমাথি মেলি তে ৽ ৽ ডে বে সারা হ • ই
 - [th]
- I { গা গা পা ধা | র্সা -া -া -না I র্স্গার্রার্সানা | র্স্রা -র্সনা -র্সা -না I কান ন প খে • খে খু শি সে যা • খু
- I শধানাসানা | ধপক্ষা-পা-া-ক্ষা I পনাধাপাক্ষা | (কগা-া-া-পা) } I পধপক্ষা-পাক্ষাগা I
 ক দ্যুত লে•৽ • যে॰ খুশিসে চা॰॰ যু স্থি
- I ^পরা -গা -া রা (রন্। -রা -া সা I ন্ সা রা গা | রা গা আরা পা I ব • • লো আ • • ∘ মি আঁথি ডুলে কারো পানে
- I হ্মা -পা ধা -না | হ্মপধা -পহ্মা -পা -ক্মপা II [] II চা বো কি • • •

মিল্ল বেহাগ। দাদরা

ও কেন চুরি ক'রে চায়।

স্থুকোতে গিয়ে হাসি হেসে পালায়॥

বনপথে ফ্লের মেলা, হেলে গুলে করে খেলা—

চকিতে সে চমকিয়ে কোথা দিয়ে যায়॥

কী যেন গানের মডো বেজেছে কানের কাছে,

যেন তার প্রাণের কথা আথেকখানি শোনা গেছে।

পথেতে যেতে চ'লে মালাটি গেছে কেলে—

পরানের আশাগুলি গাঁখা যেন তায়॥

利	र्भा	र्मा -1	II গা	গা	-মা বপা	মা	-1 m-
•	কে	ন •	¥	রি	• 奉 '	ব্যে	•
I	4 M1 -1	সা গা	भा -मा	I M	পা -সা	সা	-1 I
	চা সু	ন্থ কো	তে •	পি	(N	হা বি	•
_				T		4.	
I	-1 -1	न्झा झा	र्मा -ना	I an	-1 র্রা	ৰ্মনা ৰ্মা	-1 I
	• •	হে দে	41 •	লা	À .	কে• ন	•
				_			II _
I	গা গা	-মা পা	মা –গা	I वन्त	-1 -রগরা	-मा -	-1 I
	চুরি	• ক'	রে •	চা	• • • •	• •	য়
	[* ना]			T 4:	-4. 4.	1 4 4	
11	িপা প	•	ना न		নর্সা -রা	•	-1 I
	শ ন		ৰে •	Ŧ	শে• বৃ	মে• লা	•
	4 4 .	. 1 4. 444.	a 7		l / aut ====	- ∠ - \	T
I		। । त्री मर्त्रमा		নধা -পা			
	ए ल	ছ লে••	• क	রে• •	থে সা	• ধে ৰ	ri •

- Î {-1 -1 র্সা | র্সা গা মা I পা পা -1 | না না -1 } Î

 • চ কি তে সে চ ম কি রে •
- I সাঁ সা -1 | ^{প্}রা সা -না I ধনা -স্রা স্না | খনা পা -1 II
 কো থা দি য়ে যা• য় "ভ• কে ন •"
- II { 1 া সা | ^সপা পা 1 I পা পা ধা | ণা ধণা স্থা I কি যে ন • গা নে বু ম তো• •
- I –শা –ধণধা পা | ধা পা –ধপা I মা মা –গা | পা মা –া} I

 ••• বে জে ছে •• কা নে বু কা ছে
 - [-রগা -রগমা]
- I {-1 -1 মা | মা -1 I গা গমা -গা | রা সা -1 I
 • যে ন ডা র প্রা ণে• র ক থা •
- I রারা-গা | -রারাগা I মাপা-মপধা | (পা মা-গমা) } I পা মা-া I
 আমাধে ক্থানি শোনা ••• গেছে গেছে •
- [শনা: -ধ:]
- I {-1 -1 পা | না না -1 I সা সা -নস্রা | স্না সা -1 I
 • দ খে ডে যে ডে ে ড ল •
- I া গা | ^{গ্}রা স্র্রসা া I না নধা পা | (ধা না: স্:)} I ধা না া I

 মা লাটি•• গেছে• ফেলে ফেলে •
- I সাঁ সা -না | ^গরা সা -না I ধনা -সরা স্বনা | ধনা পা -া II II গাঁথা ∘ যে ন ∘ তা∘ ∘য় "৩∘ কে ন ∘"

বেলাওল। ত্রিতাল

ওকি সখা, মুছ আঁখি। আমার তরেও কাঁদিবে কি ।
কে আমি বা! আমি অভাগিনী—
আমি মরি তাহে হুখ কিবা॥
পড়ে ছিমু চরণতলে— দ'লে গেছ, দেখ নি চেয়ে।
গেছ, গেছ, ভালো ভালো— তাহে হুখ কিবা॥

u

- II সা গা রগা রগমপা | মপমা গা গা গা গ মা মা মা মপমা | গমা গা গা গরা I
 ও কি সং থা ০০ মু ০০ ছ খা থি আ মার্ত রেও০ কাঁদি বে কি ০
- I সাসরারার | রগারপামপনাগা | গণাপাধর্সাসা | নধাপনাগরা সন্াII
 কে আও মি বা আমি অভাগিতত নী আও মি নত রি ভাতে ছগ কিত বাত
- I রার্সনাধনধা | পাধাধর্সাসা | পাধানসনাধা | পধাপনাগরাসনা II II দেখনি চে॰ য়ে৽ গেছ গেছ ভালে।ভা• লো ভাহে ছথ কি৽ বা•

বেহাগ-খাখাজ। ত্রিতাল

ওগো, ভোরা কে যাবি পারে।
আমি তরী নিয়ে বসে আছি নদীকিনারে॥
ও পারেতে উপবনে
কত খেলা কত জনে,
এ পারেতে ধু ধু মরু বারি বিনা রে॥
এই বেলা বেলা আছে, আয় কে যাবি।
মিছে কেন কাটে কাল কত কী ভাবি।
সূর্য পাটে যাবে নেমে,
সুবাতাস যাবে থেমে,
থেয়া বন্ধ সন্ধা-আধারে॥

| -1 -1 -1 -1 | সারাগাপমা | গা -1 পা -1 II • • • • বারি বি না• রে • "কে •"

- -1 İİ {সা-ারারা | গাপ্মাগাগা | গুপা: -ক্ষ: পা: ক্ষপ্ধ: | পা-া-া (-মগ্রা)} Ì -া İ

 এই বেলা বেলা আছে আম মুকে যা ০ বি ০ ০ ০ ০
- I পাঃ নঃ ধা পধপা | মপা মা গাঃ -মগঃ | রগাঃ রঃ গা ^গপমা | গা -1 -1ঃ -মঃ I মি ছে কে ন • • কা • টে কা • লু ক • ভ কি ভা • বি • • •
- I {পা: ন: নানা | র্সার্সর্সানার্স। | ধাণাধণধাপা | পধাণসাণধা(পক্ষা)} I পা I ত্রুষ পাটে যাবে ৽ নেমে স্থাতা ৽ স্যাণ বে ॰ থে । মে
- I {সাসারা: র: | গাপমাগাগা | গপা: আর: পাধা | (পা-া-া-মগরা)} | পা: -আর: পা-া II II ধ্যাবন্ধ হয়ে• যাবে সন্ধার্থাধা রে • • বে "কে •"

মিশ্র থায়াজ। দাদরা

গুরে সুন্দর, মম গুহে আজি পরমোৎদব-রাতি। রেখেছি কনকমন্দিরে কমলাসন পাতি॥ ত্রমি এসো ক্রদে এসো, ক্রদিবল্লভ ক্রদয়েশ, মম অঞ্নেত্রে কর' বরিষন করুণ হাস্তভাতি ॥ कर्छ निव माला, निव हत्राण क्लाडाला-আমি সকল কুঞ্জকানন ফিরি এনেছি যুথী জাতি। তব পদতললীনা আমি বাজাব স্বর্ণবীণা---বরণ করিয়া লব তোমারে মম মানসসাথি॥

भ्रम्भा]

ক1 भा II ता - भा भा भा भा भा भा । भा भा भा भा भा भा भा भा । সন্ মগা গু (১০০০ • 9 **(**5 IJ র 200 4 410 4 সা -গা গা I গমা -প্রগা -রগা রা I সনা 511 Ι রা 9 4 • C41 ٠ 🔻 4 র্ ০ তি (5· 0 হ্মা ধপা Ι -1: -1: I / 511 41 -91 গা মা श Ι 15. S 4 H র • ের ংখ F# .. 21 • ন . . (4 . . 00/10 মা - গমগা রা | - গরা সনা সা I [] I ि 71 भी | - भी भी I धनकी -ना भी | (-ना ना ना) } I না না II বা খনা তু মি **9** শো • হ C# • **G**00 (Fi) গা মা I পিশা -পর্সা সর্বা ধর্মণা **4**: পধপা I মগরা -গ1 f • म ₹ • ই

- | (-iগামা)} I -iগামা I পা-iপাপা-iপা I সপাপাপাপাপাপাপা • হুদি • মুমু অ ০ জ নে • তে ক • র'ব রি যু ন •
- I ণা ণা ণধা । ধপ। -খ: পা I মা -সমগা র। '-গরা সন্। সা II ক রু ণ∙ হা সূ স ভা ••• ডি •• "ও• হে"
- সাসাII {রা-গা^গরা | -গা মা পধা I গমপা -মগা রা | -গরা সা ন্। I ত ব ক ণুঠে ॰ দি বং মা৽৽ ৽৽ লা •• দি ব
- I সাসগা গা | -1 নাপা I গমপা -মা গা | $(-1 রগা সা) \} I$ $\{-1$ গা গমা I চর গে \circ ফুল ডা• \circ লা \bullet ড ব \bullet আবা মি \bullet
- Ι না | র্স। -নর্বা সা I ধণ্য 91 -91 41 91 পা I 24 91 Tap বি H ক 0 **Ŧ** • 7 57 ₹ 10°° ন 2
- 491 I 91 -श्राम 위 : - 1 -1 I 79 -ধ -পমা I 91 পা পা তি গা ... নে 15 7 ۰ 91 এ
- পা শনা মা I না -4-11 र्जा । -1 र्म। Sat I I | 11 না গমা লী না মি• ø প্রা ত ₹• 9 Ħ ত
- I খনা না | না -নধা না I নৰ্স্বা -স্না নধপা | -i -i -প্মা } I
 বা জা ব স্থ •র ণ বী•• •• গা•• • ••
- र्मत्। र्मत्। र्मत्रमा र्भा I না -011 I 511 ণধপা I 51 মা | 91 71 রি য়া ٥ 🏲 তো মা ০০ ক o (300 র 9 ব
- প্রধুপা I মা -গমগা রা -গরা সা II II नन Ι পা ধা প্রণা -ধা **િ** (B. . . 370 . • ন **37 0 0** 71 ম N

शिनू-वाँदाश। पाषार्छका

कथन य वम्रस्त राम, এवाद रम ना गान।

कथन वक्नम्म एहरम्भि बदा रम्म,

कथन य क्म-का रिरा राम व्यमान॥

এवाद वमरस्त कि द्व प्रिक्षिम खारा नि दा—

खानक्म श्रम्भिद्यां करत नि कि मध्यान।

এवाद कि मभीदा खागाय नि क्मदन—

माणा मिरम राम ना राज, हरम राम श्रियमान॥

वमरस्त स्मय दारा এम्मि य मुग्र रारा—

এवाद गाँथि नि मामा, की रामारंद कि मान।

का मिरम नीदव वा स्मा ख्याद मिमाय रामि—

रामाद नीदव वा स्मा हरमाइरमा खिल्यान॥

[-प्रधा -पर्मवा] -মা II পধা -1 -1 ধা 91 মপা মরা যে ব সন ना ना - - - मता -21 -জ্ঞা -রজ্ঞা সুরা গে -W I [] I -মগা -11 পধা নৰ্সাঃ -ন: **-ধনর্স**র্গ কুল যু সূৰ্ত্তা -র্বর্জ্তর্ম। ৰ্সনা -র্জ্জর্নসা --নৰ্সা -A\$1 -1 6 म 7 (N .

- | -া -া ^গর্রা ⁷ণা I -া -া ধা পা | মপা -মরা -জডমজ্ঞা :জ্ঞা | রা সা -া -রসা | • লুক খ • • ন যে ছু॰ • • • • • • লু ফোটা • • •
-] -না না না I সা সরজ্জমা -জরা না রারজ্জবা -দা -রা | সা না না না |

 • হয়ে গেল••• অন্ব • সা • •
- শরারাII সরা সনা সা-রভরা | -া ভরারা ভরা | -া -া -া -া -া -া -া রা ভরা | এ বা র ০ ব ০ স ০০ ০ তে কি রে ০০০০ ০ যুঁথি
- I মা পদা মপা মরা | -জনজ্জা -া -রা -জ্ঞা | রা সা -া -া | -া -া (শ্ঝা ঝা | ৩১ লি০ জা০ গে০ ০০০ ০০ ০ নিরে ০০ ০০ বা
- I -সঞ্জুৱা -ঋা সা সন্। | সা -রজ্ঞা -া জুৱা | বা জুৱা -া -া)} | {গা -মা I

 ••• ব ব স •• নুডে কি রে • জ্ঞা •
- I পা -না -া -সা | সা রা সর্রসা -গা | -া গা ধা পা | -া -ধপা -মগা মপা I
 লি • ক ল গু•• ন জ রি য়া • • ক •
- I -ধণা-সাণাধা|পা-া-া-ধপা|মপামবা-ভৱমভৱা-রা|সা-া(গা-মা)} I পাপা I

 •• রেনি কি • • ম ধু • • পানু আন এ বা
- I {-শধ্পা -মগা -মা পধা | নর্সা: -ন: -ধনর্সর্রা -সা | না -সা -া -া | -া সা র্সনা I

 •• •• রকি সমী ••• র • • শ্লা গার্

- | र्मर्नमा -1 -पथमा -1 ! -1 -1 शा २१ I -1: -र्मः र्मर्ता र्मा | र्मनर्मा -गा -1 था I
- পা -া -া -ধপা | -মগমা -া পধণসা পা I ধা পা -া -ধপা | মপা মরা -জভমজ্ঞা -রা I জো ০ ০ ০ ০ ০০ ০ চ০০০ লে গেল ০ ০০ মিও য়াও ০০০ ০
- | সা | | | | | | সা ম I [] I মা • • • • ল্"ক •"
- 7 রা রা 11 সবা সন্সা-রজ্ঞা | -া -া রাজ্ঞা | -া -া না জ্ঞা | ব ধন ডে॰ র॰ শে ॰॰ ॰ থ সে
- I মা পদা মপা মরা | -জরমজ্জা -া -রা -জরা | রা সা -া -া | -া -া | -া ঝা মা I ছি যে॰ শূন্ ন৽ ••• ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ব স
- I -সঞ্জো -ঋা সা সন্ | সা -রজ্ঞা -া -া | রা জ্ঞা -া -া) } | গা -মা I

 • ন ডে র শে • শ্রা ডে • এ •
- I পা -না -া সাঁ| স্না -রা সা স্বাসা | -বা -া ধা পা | -া -ধপা -মগা -মপা I
 বা • র গাঁ• থি নি• • মা লা • • • কি
- I -ধণা -সাণাধা | পা -া -া -ধপা | মপা মরা -ভরমভরা -রা | সা -া পা পা I

 •• ডোমা রে • ক∘ রি৽ • দা ন কাঁদি
- I {-প্ৰপা -মগা -মা প্ৰা|নসাঃ -নঃ -ধনস্রা -সা|না সা -া -া |-া -া সা স্বনা I

 • • ছেনী রব • • বা শি • অ ধ•

- I র্সরা রব্জরা -র্সরব্জমা -র্জর্সা | নর্সা -। -নর্সা -নর্সরা | (র্সর্সা -গণা -গণা -গণা -গণা |
 রেমি লাণ্ড ব্যান্ত ব্যা
- | -1 -1 ধা পা) | I স্বর্জা -1 ৭ দা -1 | -1 পা না I -1: স্ক: স্বর্জা সা |

 • কা দি সি•• •• • তোমা র ন• র
- | মপা মরা -জরমজ্ঞা -রা|সা -া -: -෦|-া -া গা -মা I [] II অ॰ ভি॰ ॰॰॰ ॰ মা ॰ ॰ ॰ ল "ক ॰"

সুরান্তর

- II গা –মা পধা –ণৰ্সা | –ণা –া ধা পা | মপা মজ্ঞা –রা –সরা | –জ্ঞ মা –জ্ঞা রা সা I
 ক থ• •• ন ব সন্ ৩• •• গে ল
- I ন্সরা -ছৱা | | | | বা | সারাসা | | | | | I এ বা • • • • বুহ ল নাগা • • • • ন্
- I পা পধা -মা | | | পা ধা | না স্থা ধনা স্র্র্সা | না সা | | I ক থ০ ০ ০ ০ নুয়ে ব কুল০ ০০ ০০০ মূ ০ ০ প্
- I র্সার্সনার্সান্সর্বর্জনা -র্রা-সা-নানা | নর্সা-নর্রার্সর্রা-সা | -গধা-প্যা-সা-মা I ছে রেণ্ছিল ০০০ ০০০ ব্

- I মা পধা প্রা বা ধা পা মপা মজ্জা | -রা সরা জ্ঞরা | সা া া া II হুয়েও ১০ ০ গেল ৬০ ব০ ০ ০০ ০০ সা ০ ০ ন্
- I রাজ্ঞানাপদা | মপাফ্জা-া-া | -রা-সরা-জ্ঞা | রাসা-া-া I
 যুঁথি ও দিং জাং গে ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ি নি রে ৽ ৽
- I পা না -া | সা রা সা 'ণা | -া -া ধা পা | -ধা -মা -া -া I
 আ লি • কুল গুনু জ • কি য়া • •
- I মা পধা -ণৰ্সা -ণা | ধা পা মপা মজ্ঞা | -রা -সরা -জ্ঞ মা -জ্ঞ ৷ সা -া -া -া I ক রে৽ •• মি কি মণ ধু৽ •• • ৽ ৽ ৽ শা ন
- I পা পধা 'ধনা পা | ধা না সা -া | -না -ধনা -স্রা -সা | না সা -া -া I এ বা • র কি স মী • • • • • র ণ • •
- I সানসা-রা-জ্ঞা | -া -া রা -সা | না সা -নরা সা | স্বা -ধপা -মগা -মা I
 কা গা॰ • য়্নি ফুল ৽৽ ব ন৽ • •
- I পা না -া -া সা রা র্সা ণা | -া ধা পা | -ধা -মা -া -া I
 সা ভা • দি য়ে গে ল • না তো • •
- I মা পধা -শর্সা -শ্বা | ধা পধা মপা মজ্জা | -রা -সরা -জ্জরা | সা -া -া -া II চলে৽ • গলং মি৽ য়৽ ৽ ৽ ৽ ৽ মা ৽ ৽

- I রাজ্ঞামাপদা মপামজ্ঞা-রা-সরা | -জ্ঞমা-জ্ঞারাসা | -া -া -া -া I এ সেছি বে॰ শুন্ন॰ • • • • চাতে • • •
- I পা না -1 সা | নর্রা রসা ণা -1 | ধা পা -ধা -মা | -1 -1 -1 I এ বা • র গাঁ• থি নি • মা লা • • • • •
- I গমা-পধা-ণৰ্সা^{ৰ্শ}ণা | ধা পা মপা মজ্ঞা | -রে -সরা-জ্ঞমা -জ্ঞরা | সা-া-া-া I কী• •• •• ভো মারে ক∘রি• • •• •• । দা • • ন্
- I পা পশা -মা পা | ধা না সা -না | -ধনা -স্র্রা -সা না | সা -া -া -া I
 কা দি॰ ৽ ছে নী র ব • ৽ বা শি • •
- I সামি সারা | জ্ঞা বা রা সা | নসা রা | স্থা রা | স্থা মধা মধা মা I
 ভা ধ ০ রে মি লা ০ ০ ০ জুহা ০ দি০ ০০ ০০
- I পা না । র্মা নর্রা ^রসা ণা । ধা পা ধা মা । । । । । I তো মা ॰ র ন । য় নে । ভা সে । • • • •
- I গমা-প্রা-ণ্রা গা | ধাপামপামজগ | -রা-সরা-জর্মা -জর্মা | সা-া-া-া I ছে ০০ ০০ লোছ লোভ ছি ০০ ০০ ০০ মা ০০ ন্
- I মা ৷ পধা ণৰ্মা | ণা ৷ ধা পা | মপা মন্তবা রা সরা | ভবা ৷ রা সা I এ · বা · · · · · ৷ বা সা ব

ভৈরবী। থেমটা

কেন রে চাস ফিরে ফিরে, চলে আয় রে চলে জায়।

এরা প্রাণের কথা বোঝে না যে, হৃদয়কুসুম দলে যায়।

হেদে হেসে গেয়ে গান দিতে এসেছিলি প্রাণ,
নয়নের জ্বল সাথে নিয়ে চলে আয় রে চলে আয়।

ना II मा মা পা -দা প্রপা -1 I ख शन्वा মা ফি ক রে DIA (র • • ফি৽৽ রে Ι खा -ভরমা সা ख्य -সা সঝা মা ভ্ৰথা -931 31 -1 স:ঋস: Ι Б (F) • • র্ অ।• রে Б • এরা • বু Ι 9,1 -1 ख -1 | 41 न वनवा -ৰ্স্বা সা মা 91 र्भगना Ι 4 **e**T (41 (4 था ঝে না•• (**4**•• I M P1 -1 24 भभा -91 100 -31 - 00 মপা -**新** I -441 • ¥ র্ কু 4 স্থ• ₩, ৰা• (**Ŋ**, I প্ৰপামা - জ্ঞা | স্কা - জ্ঞা মা | জ্ঞা - জ্ঞা | সা - া - া - া - - খ্যা প্ৰ • র্রে (**e** • • য়ৢ "**কে**" **4** ъ. আ • -1 II -1 41 21 41 ৰ্সা -1 91 91 9 -1 I € (স হে শে C) (গ 71 1 361 র্বার্ত্তর্বা 91 मा । ণসা -পর্সর্থা: I -ৰ্স: 951: -F1 I -ণঃ मि 4 **इ**नि ত শে 21

İ m 91: -X: 35 -া জ্ঞামা মা -গাদপা মা -পমা ন র জল লা খে • নি• CT .. ¥ • নে I कामका -সা সকা -জনা না জল্মা -জল ঝা সা -া ঝা •রুরে চ• • লে আমারু এরা• • আ• ъ. . লে I 91 - । खा मा - । शा मा - । शमशा - अर्था अंश्विमः I म इ क था • वा व्या • ना•• • वि•• 21 নে I M -দা পা পদণা -া জ্ঞমজ্ঞা -রা জ্ঞা মপা -দণা -দা I 91 ञ् •• म म • • য় কু • লে খা• क म I পামা-া সক্ষমা-পামা জ্ঞা-জ্ঞা মা সা-া -া I -া: -ক্ষম: পা II II চলে ৽ আ৷ ৽ যুরে চ৽ ৽লে আ৷ ৽ ৽ ৽য়ৄ "কে"

সিন্ধু-কাফি। আড়াঠেকা

কেছ কারো মন বুঝে না, কাছে এসে সরে যায়।
সোহাণের হাসিটি কেন চোখের জ্বলে মরে যায়॥
বাতাস যথন কেঁদে গেল প্রাণ খুলে ফুল ফুটিল না,
সাঁঝের বেলা একাকিনী কেন রে ফুল ঝরে যায়॥
মুখের পানে চেয়ে দেখো আঁথিতে মিলাও আঁথি—
মধ্র প্রাণের কথা প্রাণেতে রেখো না ঢাকি।
এ রজনী রহিবে না, জার কথা হইবে না—
প্রভাতে রহিবে শুধু হৃদয়ের হায়-হায়॥

												IJ.		
ন্সা রভা	i II	{ রজ্জম	1 -পা	-1 -	মরা	-ভ্ৰম	জা -রা	-83	রসা	-1 -1	-11-1	-1 -1 (গা -মা]
কেহ কায়ে	ri	¥ • •	٠	۰۰	্ব •	6 0	• 6	•	বোনা	0 5	o o	• •	কা •	
I পধা -											-			
I প্ৰা: হা•												•	গা -মা চো •	
I প্ৰা														
পপা -1] বাতা •	11		–মগা											
I র্বরণ আচর মুশ্মুটি•														

- I না -া সর্বা স্প্রা নিধা -পধণা -পধণা -সা নর্বা সর্বস্রা -স্রা -সা -া গা মা I ঝে বু বেলা একা ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ কি ৽ ৽ নী৽৽ ৽ ৽ ৽ কে ন
- I পধা ণধা ণর্সণা ধা | পা ነ ৷ ধপা | মপা মরা জ্ঞমজ্ঞা রা | সা রসা ন্সা রজ্ঞা II
 রে৽ • • ছ্ • লু ঝ৽ রে৽ • যা •য়. "কেছ কারো"
- সসা ররা II রক্তা মপা পধা | গধা স্বা ধপা ধপা | মগা মগা রগা মপা | মা া া: প: I মুখের পানে চেয়ে দেখ আঁ৷ • বি ডেমি • লা• ও আঁ৷ • খি • ম
- I নাঃ র্সঃ র্সনর্রা র্স্সা | -া বধা প্রধা র্সা | নর্সা নর্রা র্সর্স্সা র্সা | -1 বা মা I ধু র প্রাণ্ড ব্যার ও ০০ ০০০ ০ কং ০০ থাণ্ড ০০ ০০ প্রাণ্ড
- I পৰা শধা শৰ্সা ধা | পা ধপা মপা মগা | 1 মগা বগা মপা | মা 1: পা পা I তে • • ব বে • পো না • গা • কি এ র
- [-মগমা -া -া]
- I {-ল্যপা -ম্বা -মা প্রধা | ন্র্সাঃ -মঃ -ধ্য-স্র্রা -সা | ন্র্সা -া -া -: | -া -া শস্মা স্র্রা I

 ••• • জনী রহি ••• বেনা • • আর ক্থা
- I র্বর্রা -র্জ্বর্রা -র্জ্জনা -র্জ্জনা -র্জা | র্কা -া -া -ন্ম্র্রা | -র্স্রর্বা -গধা -গ্র্মণা -ধণা | (-া: ধ: পা -ধপা) } I
- | -ধপমা -গমা -া পা I না -া র্স্রসা -নরা | র্স্রসা -লধা -পধলা -সা | নর্সা -নরা স্র্রস্কা -সা | -া -া গা মা I
- I পধা-নধা-নর্সণা-ধা পা-া-া-ধপা মপা-মরা-জ্ঞমজ্ঞা-রা সা-রসা ন্সা রক্তা II II
 য়ে • • ব • হা৽ • য় হা ৽য়্ "কেহ কারো"

মিশ্ৰ বাহার। একতাল

ধ্বে দে তরণী, ধ্বে দে তোরা, স্রোত বহে যায় যে।
মন্দ মন্দ অঙ্গভঙ্গে নাচিছে তরঙ্গ রক্ষে— এই বেলা খ্লে দে॥
ভাঙিয়ে ফেলেছি হাল, বাডাসে প্রেছে পাল,
স্রোভোমুখে প্রাণ মন যাক ভেসে যাক—
যে যাবি আমার সাথে এই বেলা আয় রে॥

II	ধা	ৰ 1	41	পা	ধা	পা	মা	ধা	পা	মভ্তা	-1	মা	I
	ય્	েল	८म	ত	র	ণী	ય્	লে	८म	তো•	•	রা	
												_	
I	ধা	-1	41	ধা	-লধা	পা	ধা	-1	-ণর্সর্বা	ৰ্সা	-1	-1	I
	<u>ৰো</u>	•	æ	₹	• •	হে	যা	•	• • য়্	যে	•	•	
I	नर्जा	-1	না	^ন র্র1	-1	ৰ্সা	^थ न्।	-1	পা	মা	-1	পা	I
	મ	न्	¥	Ŋ	न्	H	অ	ঙ্	গ	6	Ğ ,	গে	•
I	4 561	-1	ভৱ1	E8	-1	<u>an</u> 21	রা	-1	রা	সা	-1	সা	I
	না	•	fb	(b	•	Ø	র	ঙ্	গ	র	ঙ	গে	
I	4 41	-1	না	र्भा	-1	-1	४भ१	-1	পা	र्म।	-1	-1]	T
	ત્વ	₹	বে	ना	•	•	খু	•	লে	ा न	•	•	1
II	{ ^প মা	-1	মা	শধা	-1	ণা	र्भा	-1	না	ৰ্সা	-1	-1	I
	ভা	•	ডি	য়ে	•	(रह	লে	•	ছি	হা	•	7	
I	নৰ্সা	-1	না	र्म।	-1	র্বা	नर्जा	-1	ণৰ্সণা	ধা	-1	-1 }	I
	বা•	•	তা	শে	•	બ્	রে	•	ছে• •	পা	•	न न	•

I en था -1 न भा मा न পা পা । মা या I -1 <u>ৰো</u> • **&** म् ৰে প্ৰা 4 4 म -1 -1 | 31 I =at -1 31 मा - - | 1 1 I 1 যা ৰু ভে শে • या Ŧ I সা স| 491 -1 -1 মা বধা -1 না সনা र्भा I -1 ৰি যে যা • • ৰা মা র • সা• বে I ৰ্মা -ৰ্গৰ্মা -1 | রা न जा। ना -পর্বস। -1 | 941 -1 -1 II II এ ই বে • • ना • वा • • • য় রে• •

গৌড়মলার। ত্রিতাল

গেল গো—
ফিরিল না, চাহিল না, পাষাণ সে।
কথাটিও কহিল না, চলে গেল গো॥

না যদি থাকিতে চায় যাক যেথা সাধ যায়,

একেলা আপন-মনে দিন কি কাটিবে না।

ভাই হোক, হোক ভবে—

আর তারে সাধিব না॥

রগমগা রা -া রগমা মমা মা; -গঃ গরপা মগা রা -া রা পমা চা॰ হিল ল••• গো • ফি•• রিল না • না • পা ८भ ষাণ I ধা নর্সরা সা না ধনধা পা মা গমগারা গরা স। রগমগারা -া -া -া II 9100 ि 18 **本。**。 চি ল ন; • • (ল॰ ъ 751 ल • • • II M गन्धा ना मा नर्मता मा ना मा न्या न्या ता ता निर्मा न পা ৰ্মা -1 I FF. থা কি ডে • • ना য চা য় যা 季 যে থা সা•• I মা মা মগা মা পা ধা ণ্ধা পা -ধপা মা ধা পা পা মগা রা -1} I **(**4 ना• আ প ন म ति । पि । न कि का हि বে৽ না I রা -র্বসারী - বিসা -নর্সাধাপা পা পা -ধনর্স্রাসা নর্সনা ধা প্রপা ম্পুমা গ্রমণা II II

ण • हे रहा कुरहा • कृष्ठ ता भा • • • तुष्ठा ति• । ना वि• • व • । ना • •

মিশ্র সিদ্ধ। ত্রিভাল

তবে শেষ করে দাও শেষ গান, তার পরে যাই চলে। তুমি ভূলে যেয়ো এ রজনী, আজ রজনী ভোর হলে। বাহুডোরে বাঁধি কারে, স্বপ্ন কভূ বাঁধা পড়ে ? বক্ষে শুধু বাজে ব্যথা, আঁথি ভাসে জলে।

II मा - अमिशा - अमा - - खा विका - वा সা -1 | শ্রা: -স: · (40 · শে ৽ ব্ক রে F 18 CH - | मा - | - | मा | ना - धा भा - धभा | मा - | I I जा -1 -1 তা • ব প **3** • Б ન রে যা मा - - - - ना | मा - न नम्भा - | गमा - न - । छवा | Ι 4891 -31 ত • বে•০ • শে • ষ্ক (4 भा न | ना न ना 위 | 위 --1 I ^기(31: -) -기 -1 | 기 -1 위 | ষ্গান্তুমি ভূ • লে • বে CH I र्जा -शा शा -शा | ना -। र्जा -नर्जर्ता | -र्जर्ता -र्जना -र्जा -। -1 -1 ना ना -मा I জ • নী ••• . . এ র I आ - श शा - शा | शा - शा शा - शा | मा - ! - ! - शा II নী • ভো • র হ • (4 5 ব - | ना - भा ना - | मा - भी ती - मी | ना - । मी II on -a1 a1 N বা রে 41

- I ধা -1 ণা -1 | সা -1 সা | সা -1 সমা -পা | মা -সা রা -সা I ণ • ড়ে • বো • ফু খে ড • রু• • বা • জে •
- I ना -1 नी -1 | र्मना -1 -1 र्दा | र्मी -1 शा -र्मशा | शा -1 शा -श्या II II वा शा र्मी र्मी रिम र

দেশ। ত্রিভাল

দাঁড়াও, মাথা থাও, যেয়ো না সথা।
তথু সথা, ফিরে চাও, অধিক কিছু নয়—
কতদিন পরে আজি পেয়েছি দেখা॥
আর তো চাহি নে কিছু, কিছু না, কিছু না—
তথু ওই মুখখানি জন্মশোধ দেখিব।
তাও কি হবে না গো, সখা গো!
তথু একবার ফিরে চাও॥

শিলা -ধা পিধা পধা পা -রা রারপামা গমগা | রা -া -া -া I II মা -পধা মা থা• থা ও যে যো• না স•• খা ভা I दाः मः दा ना दा नदमा बना ना बना दा ना नना ना ना ना ना ना ना ना ना म ফি রে • চা ও অধিক কি ছ • • ন • • যু **9** 4 স 41 दा मा -1 | প। भा था गा | गा मा नर्मती मी | गा -धनथा -भा -धना II I পরে আ জি পেয়েছি • দে **ज** मि न থা ••• II পা -श्रभा मा পা | ना ना भी भी । वना भी ती -18 | वर्षी ना भी -19 I হিনে কিছ কিছ না • আ • ব তো চা কি न पना - था | ना धनधा आ था | ना मा नमा - ता | मा नथा आ - 1 I জনুম শো• ध ए थि॰ व જ કે মু খ•• খা নি 4 भा ती | भी भैना भी -1 | गैना नती भी - 1 - 1 - 1 I en কি হ থা• গো না• গো • স বে এ কু বা ••বু ফি রে• ы • શ્

विशाग-थायाक । मामता

ছজনে দেখা হল মধুযামিনী রে—
কেন কথা কহিল না, চলিয়া গেল ধীরে॥
নিকুঞ্জে দখিনাবায় করিছে হায়-হায়,
লতাপাতা ছলে ছলে ডাকিছে ফিরে ফিরে॥
ছজনের আঁখিবারি গোপনে গেল বয়ে,
ছজনের প্রাণের কথা প্রাণেতে গেল রয়ে।
আর ভো হল না দেখা, জগতে দোঁহে একাচিরদিন ছাড়াছাড়ি যমুনাতীরে॥

र्भा	र्भ	। भ्वाः	-4: II	ना १	। १४ - में भा	মা	511 -1 I	1 -1 -1	-া গা	মা I
ছ	•	নে	•	দে খ	1••••	Þ	ল •	0 0 0	॰ ম	4
I	পা	-41	-421	নর্গ	র্গর্গা	-ৰ্সন্য	I 4a1 -1	-1 -1	-1 -1	ાભા I
	या	•	•	মি	नो••	••	রে •	• •	•	• •
I	পা	শ	-11	4 1	ণা -া	I भग्र		-1 41	পা -ং	পো I
	₹	ন	•	क	থা •	क्	₹••	• <i>व</i> र	না	•
I	-191	-1	মা	511	গা	-মা I	পা পা	-ৰ্মা ৰ্মা	না	-1 I
	•	•	Ъ	नि	য়া	•	গে ল	॰ ধী	রে	•
I	-1	-1	-1 -	ना	না -1	I at	-ধা -না	নর্বা ১	র্বিসাঃ -	-ন: I
	•	•	•	ম	র •	য া	• •	মি :	नी • •	•
I	*=1	-1	-1	-1 -	-1 -খপা	I -পধ	া -পধণৰ্সা	र्भा । भा	^{ત્ર} નાઃ	-4: II
	রে	•	•	•	• • •	• •	• • • •	"হ্	নে	•*

না নধা -পা • • নিজুন জে **• দ** খি না • • বা• • • $I \rightarrow -1 + 51 + 55$ • রুক রিছে• • হা • রু হা• • রু হা • রু -1 I I 491 পা -মা গা গা -মা I পা 91 -1 | 21 91 ভা 91 তা ত্ব লে লে न श्रमा - । प्रमा -11 91 -1 I श्र Y 21 মা মা I -441 -81 (b. • • Tip ফি ব্রে ভা কি (3 • - - - | না না - I নর্সনা - ধা - না | নর্রা র্সর্সাঃ -न: I I -1 ম ধু • যা•• • • মি নী•• -1 -1 |-1 -1 -4위 I -위비 -이커 커 | 커 ⁶비: -w: II # <u>G</u> **₹** (A . . রে भा न I भा भा न । भा भा -1 I সা পা -1 II -1 -1 -1 -1 त्न द् . व्यां थि • वा • • জু জ ना - I धा -1 I -1 1 91 লা I -1 91 ধা -1 য়ে स • গে গো 8 নে . 4 I -मा मा 21 मना -मा I ला 91 I -1 41 91 •1 47 व वा 1 (4 শে • -5: I না - I নৰ্সা না: ยลา -ধনসা সা I -1 -1 না ন CI [# · (4 CA

- I (पना: -ध: -भा ना -। ना I नेना नेना नर्नती | र्मना र्जा -1 I **আ** • বু তো • হু ল না ••• দে• থা • $I - - f_1 = f_1 + f_2 = f_3 = f_3 = f_4$ • ভ গ ডে•• - টো • ଏ 4 (F. I {-1 -1 491 | 91 91 - 11 | 91 91 - 11 | 新 ना -1 I • • চির দি নুছা ভা • **ছা ডি •** ना ना ना ना I नर्मना न्था ना र्मा न ना I I -1 -1 না • তী•• • ের • य मू
- I -1 -1 -1 | না না -1 I নর্সনা --ধা -না | নর্রা র্সর্সা: -ন: I

 • ৸ ধু যা•• ৸ নী•• •

বেহাগ-থাখাজ। ঝাঁপতাল

ধীরে ধীরে প্রাণে আমার এসো হে,
মধুর হাসিয়ে ভালোবেসো হে ॥
ফ্রদয়কাননে ফ্ল ফুটাও।
আধো নয়নে, সথী, চাও চাও—
পরান কাঁদিয়ে দিয়ে হাসিখানি হেসো হে ॥

II		মা পা ধা ! ধৰ্সা	শা: ণৰ্সণা:	-ধণ: মণা -ধ: পধা	মা] পা মা	গা:	-মগ: I
	भी	त्त धी∙	রে••	• প্রা•	ণে আ	মা	• ৰ্
I	রা	-গা -রগা	-মপা	মগা বিগাঃ	· -র: -সা	-1	-1 I
	এ	• ••	• •	শো• হে	• •	•	•
I	সা	সা ^স মা	-511	মা পা	পা -1	শন্	না I
	ম	ধু র	•	হা সি	য়ে •	ভা	লো
I	ৰ্সা	-ৰ্পনা -ধনা	-র্সরা	ৰ্সনা খনা:	-4: -위	-1	-1 II
	বে	• • • •	• •	শো∙ হে্	•	•	•
TT	[ના { જા	না নধা পা পা	-91] -1	পা ধা	-না ধা	-1	-না I
**) **(2 5	म प्र	•	কা ন	• নে	•	•
1	নৰ্সা	-র্গা রা	-1	র্বা নর্সনা	-ধনা -সা	-1	-1 } I
	Ŧ	• স	•	কু টা••	••	•	•
I	শর্সা	-1 শর্সা	-1	ৰ্সা না	না নৰ্সনা	-41	না I
	আ	• খো	•	ন র	নে শ••	•	ধি

I র্সা -1 | -1: -ন: ধা | নর্সা -নধা | -না: M I 51 • ·Ø 510 9 I भा ना ना -मा र्मा (नर्मा વા | વા -1 প্ৰা I 9 র का पि য়ে দি ন • য়ে • I 941 ধা | পা -া প্ৰণা মপা মা | গা -া -া II [] II হা• সি • নি৽৽ হে৽ **শ** শো হে

মিশ্র-আশাবরী। কাওয়ালি

না সক্ষনী, না, আমি জানি জানি, সে আসিবে না।
এমনি কাঁদিয়ে পোহাইবে যামিনী, বাসনা তবু পুরিবে না।
জনমেও এ পোড়া ভালে কোনো আশা মিটিল না।
যদি বা সে আসে, সথী, কী হবে আমার তায়।
সে তো মোরে, সজনী লো, ভালো কভু বাসে না— জানি লো।
ভালো ক'রে কবে না কথা, চেয়েও না দেখিবে—
বড়ো আশা করে শেষে পুরিবে না কামনা।

- II বলঃ দঃ পদপা মা | পা -া -পদা -স্বা I ব্ৰদাং দঃ পদা মা | পা -া -া পপা I না স জ ০ নী না ০ ০ আমি
- I পা পদা পদা মমা | পধা ণধা ণা -দপা I পা দপা মা ণণা | দদা ণদা পা দপা I কা নিজ আৰু নিসে আৰু সিবে না •• এ মনি কাঁদিয়ে পোহাইবে যা মিনী
- I মা ণণা দণা পা | মা জন্তমজ্ঞা ঝছে ঝা সা I মমা মা মা মা মা মা মা মা পা পা I বা সনাত \circ বু পুরি \circ বে \circ না জনে মে ও এ \circ পোড়াভা লে
- I শল দর্বা সাঁ ণা | দপা মপা মজ্ঞা ঋসা II
 কোনো• আ শা মি• টি• ল• না•
- II $\{$ সা সা 7 দা দা | পা পদা পদা পমা I মা পা পদা দপা | মপা মজ্ঞা জ্ঞা -1 I য দি বা সে আন সে॰ সং খীং কীহ বেংং আনং মাং রং তায়
- I হল হু কাল কাল I মপাহুল ঋহু কাল I মণাহুল মা I পাপধণাণা: -দ: I কে তো মো রে প ক নী লো ছোলোক ছু বা সে লো •

- I সার্বনার্সরার্জন | রাসাণদা-পা | I পাদাদরাসা | রণাণাদণদা I চেয়ে• ৩০ না দেখি বে• বড়োছা• শা ক• রে শে• বে•
- I मा भाषा प्रवा भा । मभा छा था -जा II II भू वि• व• ना का• म ना •

মিশ্র ভূপালী। একডাল

পুরানো সেই দিনের কথা ভুলবি কি রে হার।
ও সেই
চাখের দেখা, প্রাণের কথা, সে কি ভোলা যার।
আয়
আর-একটিবার আয় রে সখা, প্রাণের মাঝে আয়।
মোরা
স্থের ছথের কথা কব, প্রাণ জুড়াবে তায়।
মোরা
ভোরের বেলা ফুল তুলেছি, ছলেছি দোলায়—
বাজিয়ে বাঁশি গান গেয়েছি বকুলের তলায়।
হায়
মাঝে হল ছাড়াছাড়ি, গেলেম কে কোথায়—
আবার
দেখা বদি হল, সখা, প্রাণের মাঝে আয়॥

11	সা	সা	-न्।	সা	গা	-1	রা	সা	-1	রা	গা	-1	I
	બુ	রা	•	নো	সে	ই	भि	নে	ব্		থা	•	
I	সা	-1	সা	গা	? 11	-1	ध ।	-1	-र्मा	ৰ্সা	ৰ্সা	-1	I
	¥	শ্	বি	কি	রে	•	হা	•	Ą	8	শে	ই	
т	ধা	91	-1	গা	সা	-1	রা	সা	-1 :	রা	সা	-1	I
•	চো	খে	₹	टम	থা থা	•	গ্ৰা .		ৰ্		থা	•	
I	প্া	-1	જા	श्।	ধ্য	-ন্সরা	সা	- 1	-1	-1	পা	-1	I
	শে	•	কি	ভো	লা	•••	যা	•	ग्र्	•	আ	ঙ্গ্	
I	পা	গা	-1	গা	সা	-1	রা	-1	সা	রা	গা	-1	I
	আৰু	এ	क्	টি	বা	ৰ্	আ	ग्र ्	বে	স্	ধা	•	
I	পা	গা	-1	সা	গা	-পা	ধা	-1	-1	ৰ্সা	ৰ্সা	-1	I
	ट ा	(4	₹	মা	বেশ	•	অ	•	•	হেশা	রা	•	_

I	ধা স্থ	পা খে	-1 द	গা সা হ থে	-1 রা ব্ক	স া থা	-1 রা • ক	গা -1 : ব •	I
I	প্া প্ৰা	-1 ବ୍		ণ্ ধ্ া ন বে	-ন্সরা সা ••• ডা	-1 •	-1 -1 ग्र. •	সা সা []] মো রা	I
I	সা ডে	সা রে	-ন্1 ব	স া গা বে লা	-1 র1 • ফু	-1 প্	সা রা ড়লে	গা - 1] ছি •	[
I	স া ছ	স া লে	·	গা রা ছি দো	-মা গা • লা	-1 •	-1 -1	-1 -1] • ब्र	ĺ
I	ৰ্দা বা	ৰ্দা জি	•	ধা পা বা শি	-1 511 • 11	-রা ন্	সা রা গে য়ে	গা - I ছি •	[
I	প্1 ব	প্। কু	-1 ধ • ভে	•	রা স া ত লা	-1	-1 -1 य्र. •	পা - I হা য়	
I	পা মা	গা ঝে	•	পা ধা হ ল	-1 পা • জ	ধ া ড়া	-1 পা • ছা	ধা - ₁ I	
I	র্সা গে	ৰ্সা লে	-1 \$ *\ C		-র্রা র্সা • গা	-1	-1 পা য় আ	পা -∣ I বা যু	•
I	था टम	ধা ধা	-मा !	_	-1 ধা • হ	পা ল	-1 গা • স	পা - I খা •	
I	গা গ্ৰ	রা ণে	-1 গা ৰ মা	র1 ব্যে	-গরা সা •• জা	-1 •	•	-1 -1 II II • 14	

বেহাগ-খাম্বাজ। ত্রিভাল

প্রমোদে ঢালিয়া দিছু মন, তবু প্রাণ কেন কাঁদে রে।

চারি দিকে হাসিরাশি, তবু প্রাণ কেন কাঁদে রে॥

আন্ সধী, বীণা আন্, প্রাণ খুলে কর্ গান,

নাচ্ সবে মিলে ঘিরি ঘিরি ঘিরিয়ে—

তবু প্রাণ কেন কাঁদে রে॥

বীণা তবে রেখে দে, গান আর গাস নে—

কেমনে যাবে বেদনা।

কাননে কাটাই রাতি, তুলি ফুল মালা গাঁথি,

জোছনা কেমনে ফুটেছে—

তব প্রাণ কেন কাঁদে রে॥

ता नन । न न न न न न न न । II সা সগা 11 11 গা পমা লি मि য়া• **ন্যু** • প্র মো• 5 ¥ CF পা -1 -1 -ধপা মা -1 -1 -পমা | -গা -1 -1: -র: I I প্ৰধণ -1 -1: -4: ৰু প্রা **6.** • न ना न ना I 71 91 -1 -1 -1 -1 -71 都 TH রে **ન** কে I { 자기 ম 에 가치 | ন ধনধা পা পা } I পধনা - 1 - 1: - 4: | পা - 1 - 1 - 4 পা | চারি দি কে হাসি•• রা শি **500** 4 श् -1 -1 -1 সা -71 ক্যে প্রা | সা -1 -1 -1 -1 1 II ব্লে

- I সা | সা সা | না নধা পা না | ধা সনা ধা নধা | পা 1 1 1 I না চুষ বে মি লে॰ মি রি মি রি॰ মি রি॰ য়ে • • •
- I সা -রা সা -ন্ | প্র -া ন্র -া | সা -া -া -া 1 II
 কে ন কা দে রে • •
- II পা মা গমগা রা | গা পক্ষা পা | না ধা না স্না | ধনাঃ ধঃ পা | I
 বী ণা ভ ০ বে রে খে দে ৽ গা নু আ ০ বু গা সূনে •
- I {গা –মা পা ধপা | মা –পমা গা –রগা | সা –গা রগা –মা | গা –া –া } I কে ∘ ম নে∙ যা ∘৽ বে ∘৽ বে ∘ দ∙ ∘ না ∘ ∘ •
- I পা পা না না নৰ্দা -া দা দা নি দা দির্গা -া | না নধা পা না I কা ন নে কা টা॰ ই রা ডি তুলি ফু॰॰ লু মা লা॰ গাঁথি
- I {ঠা ঠা নঠরা ঠা | না: -ধ: পা ধা | না -া -া -ঠনা | -ধা -নধা -পা -া } I জোছ না• ০ কে ম ন্ফুটে ছে ০ ০ ০ ০ ০

মিল হামীর। কাওয়ালি

ফিরায়ো না মুখখানি, ফিরায়ো না মুখখানি রানী ওগো রানী॥

জভঙ্গতরঙ্গ কেন আজি স্থ্নয়নী!

হাসিরাশি গেছে ভাসি, কোন্ ছথে সুধামুখে নাহি বাণী

আমারে মগন করো ভোমার মধুর করপরশে

স্থাসরসে।

প্রাণ মন পুরিয়া দাও নিবিড় হরষে। হেরো শশীস্থূণোভন, সজনী,

युन्द्र द्रष्ट्रनी।

ভূষিতমধুপদম কাতর হৃদয় মম— কোন প্রাণে আজি ফিরাবে তারে পাষাণী॥

II মা -পা মা -গা | মা -গা মা -পা I নধা -নপা পা - | পক্ষা -ধা পা - 1 I থা • ফি য়ো না म् • রা I मा -शा मा -शा मा -शा मा -शा I नशा -नशा शा -। मा -शा मा -शा I ফি **•** म् • রা য়ো • না -া মা -ধা নী છ রা II जा शा-ला शा शा शा ना ना मा मा ना ना जी । जी जी W Ħ मा

- I সা । ধা -পা | পক্ষা -ধা পক্ষা -পা II না • হি • বা • ণী •
- সা রা রা I গা গা মা গা রা সা I II का का जा का का গা রা আমারে ম গ ন ক রো েভা র ম র ক র মা 4
- I ता ता मा | धा । धा । I ता ता मा । । गा गा ता गा I न त ल • च • भा • म त ल • ल्या ग म न
- I মা -1 গা গা | ধা -1 -1 -1 I পা -1 গা গা | রা রা সা -1 I পু • রি য়া দা • • ও নি • বি ড় হ র বে •
- I र्जा । भा । र्भा -1 I क्षा स्री না र्म। না র্বা ৰ্সা -1 I শী • স্থ শো হে • রো ₩ • • 4 ञ् नी
- I था -1 शाक्या | शाबाका -1 I का शाशाशाशा शाधा की I इस्नुहत तक नी • इविकय धुन न म
- I মা -ধা মা ধা | ধা -া সা -া I সা -া -ধা -পা | পক্ষা -ধা পক্ষা -পা II II
 কি রাবে তা রে পা • গ গ • গ •

ৰোগিয়া। একভাল

বলি গো সজনী, যেয়ো না, যেয়ো না—
ভার কাছে আর ষেয়ো না, যেয়ো না।
স্থাধ সে রয়েছে, স্থাধ সে থাকুক—
মোর কথা ভারে বোলো না, বোলো না।
আমায় ষধন ভালো সে না বাসে
পায়ে ধরিলেও বাসিবে না সে।
কাজ কী, কাজ কী, কাজ কী সজনী—
মোর ভরে ভারে দিয়ো না বেদনা।

11	সা	ঝ 1	মা	মা	মা	গমপা	পা	পা	পা । প	ા જા	91	I
	4	नि	গো	স	জ	নি• •	(4	রো	না (er cut	না	
I	শদা	-41	मा	र्मा	र्मा	-4मा	নৰ্স।	নদা	मा मन	। प्रश	71	I
	তা	ৰ্	কা	ছে	ঙ্গা	• ৰ্	বে•	রো•	না বে	নো•	না	
I	পা	ना	ना !	দা	দা	পদা	পা	পণা	मा भा	भा	-দমা	I
	₹	ধে	সে	র	য়ে	ছে•	হ	ধে•	সে থা	কু	• ক্	
1	পা	-91	91	प्रश्	পা	प्रश्र	মগা	গা	মগা খ	ui मा	সা	II
	মো	ব্	ক	থা •	তা	রে •	বো•	লো	না• ে	বা সো	না	
II	{ পদা	म्	-1	না	· 新	-1	ৰ্সৰ্থা	ৰ্দা	ৰ্মা স্ব	त र्मा	গা	I
	আ•	<u>শ</u>	ग्र्	4	শ	न्	ভা•	লো	শে না	• বা	শে	
1	र्भा	ৰ্ঝৰ্গ।	ৰ্গা	4 1	ৰ্সা	ৰ্মপা	না	र्म।	ना मा	भा	-1 }	I
	শা	(3) •	ধ	রি	শে	.8 •	বা	শি	বে না	শে	•	

পা পুমা I I पत्री -। त्री | त्र्यना -। ना | नप | पा কী কা•• জ্কী কা• জ্কী স নি• কা• • **G** সা সা II II I পা --1 मा | भा मा পা মা গা মগা ঋা রে দি ना নো ভা য়ে1 না• q ৰ্ ত রে বে

মিশ্র ঝিঁ ঝিট। একতাল

বঁধু, মিছে রাগ কোরো না, কোরো না।

মম মন ব্ঝে দেখো মনে মনে— মনে রেখো, কোরো করুণা।

পাছে আপনারে রাখিতে না পারি

তাই কাছে কাছে থাকি আপনারি—

মুখে হেসে যাই, মনে কেঁদে চাই— সে আমার নহে ছলনা।

দিনেকের দেখা, তিলেকের সুখ,

ক্ষণেকের তরে শুধু হাসিমুখ—

পলকের পরে থাকে বুক ভ'রে চিরজনমের বেদনা।

তারি মাঝে কেন এত সাধাসাধি,

অবুঝ আঁধারে কেন মরি কাঁদি—

দূর হতে এসে ফিরে যাই শেষে বহিয়া বিফল বাসনা।

11	সা	রা	পা	মা গা	-1 রা	भ।	न्। ।	श्	र्ग I
	₫	ধ্	মি	ছে রা	গ্ কে।	রো	न। •	কো	ব্লো
							1		
I	সা	-1	-1 -	-1 -1	-1 -1	-1	-1 -1	न्।	সা I
	না	•	•	•	e e	•	6 0	મ	ম
I	রা	রা	রা ব	রা রা	রা রা :	গা	মা গা	-1	-1 I
	ম	ন	ब् (বো দে	খো ম	নে	ম নে	•	•
I	গা	মা	91	পা পা	পা ক্মা	ধা	পা -1	-1	-1 II
	ম	নে	রে	থো কো	রো ক	র	٠ ()	•	• ,
1	1	1 II 11	গা	ন্মা পা	হ্মা পা	হ্মা ধ	n পা প	। ऋ।	পা I
		পা	ছে	আ প	না রে	রা বি	ù তে না	শ	রি
I	পা ভা	7 78	মা গ কা ব		সা সা ছে খা	গা কি	গা মপা আবা প•	মা না	গা I রি

I at -পা | সা সা 31 রা রা -1 I 91 ক্ষা গা 71 ş (₹ ¥ 3 CF ы ধে (ই যা ম নে শে I AT 11 11 1 -1 গা মা | গা -1 -1 II 511 á١ মা শে জ| 41 ্না 3 न 5 ল হে 1 II 71 1 1 সা স সা সা না ਸਾਂ | 71 ન1 | 21 -1 I 41 F নে ধ্ (ক তি র 747 পা লে কে র ফু Ι পা 41 41 71 ধ্য না সা রা সরগা রা সা -1 I ች (9 个 র **~** (R 9 ধু হ|• • সি ৰু ধ্ Ι 71 গা 511 গা গা মা | -1 ষা I 11 গা মা ষা 7 ল (再 <u>র</u> 9 ্রের ৰু ভ' 41 (季 죡 বে Ι মা পা 91 পা মা গা রা মা | -1 -1 I গা -1 F র 5 न র F না ্ৰে বে I গা কা 71 গা 71 কা কা m i পা भा I 41 কা রি 41 ভা বো 不 न ۹ ত **শ**1 ধি 41 সা Ι পা সা 71 পা 41 পা শা ধা 21 মা 11 রা I ঝ **উ**1 ধা বি Ø ৰু রে কে ন ম 机 मि I রা -91 7 11 41 4 রা গা 31 | -1 ना I স শে ফি Ą ৰ্ হ তে এ (4 যা डे CWI বে I স গা গা | মা 31 গা 11 511 মা -1 -1 II II -1 বি ৰ 1 **1**1 ¥ ē বা স না

মিশ্র ভূপালী। ত্রিতাল

মা আমার, কেন তোরে ম্লান নেহারি—
আঁথি ছলছল, আহা।
ফুলবনে সধী-সনে খেলিতে খেলিতে হাসি হাসি
দেরে করভারি॥
আয় রে বাছা, আয় রে কাছে আয়।
ছ দিন রহিবি, দিন ফ্রায়ে যায়—
কেমনে বিদায় দেব' হাসিমুখ না হেরি॥

- II $\{$ সারাগান| গধাধাপা শপা|গারা|(সান ন শসা-ধা) $\}$ I সান ন ন I মাখামার্কেনতোরে মান নেহা রি • রি • •
- I {ন্সা -ধ্য সারা | রপা -ক্ষপো গা গা | গক্ষা -পধা -পধ্পা -ক্ষপা | গা: -মগ: -রা -1 } I
 আমা থিছ ল ∘ ছল আ • ∘ ∘ গ ∘ •
- I -1 সা ทา গমারা -া সা न्नमा धा সা Ι 11 গ্রহা রা -1 গি• ॰ নে স Ą নে • খে **ल**॰ • ব Ŧ
- I সা রগরা সা রা|রা গা -া -া|গপা পা ক্ষা পা|পধপা -ক্ষাণা গা -রাII লি ভে∙• হা সি হা সি ৽ ৽ দে৽ রে ক র তা•৽ •• রি •
- II {পা -ফ্রপা গা পা|ধা -া -া -পা|ধা -সা সা নসর্রা|-সা সা সা -া I
 আবা •য় রে বাছা • আ য় রে কা•• ছে অ: য়
- I কা -ক্রা কা মা|কা -র্কা রা কা|কা -না নক্না ধা|-না ধা পা -۱} I ছ •• দি ন র •• হি বি দি ন্ ফু•• রা • য়ে যা য়ু
- I হা সাঁধা পা| গমগা -রা গা পা| ধা রা সনসা ধা| পা গা রগরা -সা II II
 কে ম নে বি লা∙• ঘুলে ব হা দি মৃ∙• খ না হে রি•• •

ভৈরবী। মধ্যমান

মা, একবার দাঁড়া গো হেরি চন্দ্রানন।
আঁধার ক'রে কোথায় যাবি শৃক্তভবন॥
মধুর মুখ হাসি হাসি অনিয়া রাশি-রাশি, মা—
ও হাসি কোথায় নিয়ে যাস রে।
আমরা কী নিয়ে জুড়াব জীবন॥

	ı	
H	্ষিকাজকথা-সণ্দা-। দ্ণা সজ্ঞাং বং জনজ্ঞা-খদা সদা-ঋদাঝামা জ্ঞাজ্ঞধা- ^দ ঝা-দা - । }	I
	মা••• ••• •এক্বার্গী॰ ড়াগো•• •• তেরি •• চন্ <u>লা</u> ন••• • • <mark>ন্</mark>	
I	সসা -দা পপাঃ পঃ পদণা -দণদপা ম্পা মা জ্ঞাজ্ঞ্জা -মা স্বাজ্ঞা -মমা জ্ঞাজ্ঞা ^{-ম} ঝা -সা -া	IJ
	আঁধা ব্করে কো খাণ্ণ প্রাধি শ্ণণ্ণ ন্নণ্ণ ভ বণণ্ণ প্রাধি	
II	ে-। -। সসা সক্ষা জনো -। -। -জ-ক্ষস। ক্ষজনো -ক্ষা -। -মক্ষদপ। মা -া -। -জরে।]
	০ • মধু রমুণ্ হাসি ০ ০ ০০০ হা ০০ ০ ০ ০০০০ সি ০ ০ ০০	
I	জ্ঞাদা পা নঃ পঃ দিপ। ^{পদা} নঃ -পঃ মিপদা -গদপা -গদপা -পদপা -ম। না -ম্ফ্রা ক্রমা]
	অমি য়া • রা শিরা শি ৽ ৽ মা৽৽ •৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ও হা৽	
	[-পমা]	
Ι	{অমা -া -া ভলা ভিল্লখা -সকা ভলা মা ভল্লখভলা -লকা সা -া (সদা -পদণা -দপা মপা)}]
	সি • • কো থা • • গুনি য়ে যা • • স্রে • ৩ • • • হা	
	-৷ -ন্সৰ্য দ্য ব্য ব্য -জভা রা ফজা -৷ ব্য দ্বাজিভা -মজন -ঝা -জভা	
	• ••• আম্রা কী • নি য়ে • ৽ জু ড়া৽ ব •• • •	
	भा जा न न IIII	
	की द • म्	

ইমনকল্যাণ। তেওরা

যাহা পাও তাই লও, হাসিমুখে ফিরে যাও।
কারে চাও, কেন চাও— তোমার আশা কে প্রাতে পারে।
সবে চায়, কেবা পায়। অসীম সংসার চ'লে যায়—
যে বা হাসে, যে বা কাঁদে, যে বা প'ড়ে থাকে ছারে।

[**4**91] গা পা -না । গপা -1 I শপা -1 | -1 ৰ্সা II পা 3 **V**51 হা B 97 যা -রা সা | ন্। -সা | রা -গমা I মগা -রা সা | - 제 기 기 기 I मन्1 ফি যা রে • সি থে মু হা পা -1 | পা -1 I পা -হ্যা পা | ধা -নধা | পধা -পা} I I {新州 - 1 위 | ы কে • ন v9 বে Б কা • -1 | 에 -제 I [] I I পा शा शा | शा -र्जा | र्जा मा I না | ধা না ধা রে 97 পূ রা তে ×Π কে আ তোমার র্সা -নার্গা । र्भा -1 | -1 -1 I -1 | -1 -भा । भमा 41 বা 91 (平 **ग्र**् Ы বে স ता | जा -1 | -ना ৰ্গা র্ -----ৰ্গা I ৰ্গা -1 | ৰ্মা Ι যা লে Б সা র 6 भी স ष ম গা -1 I 91 -1 গধা পা -দ্বাপা গা 91 -1 I CV 剂 বা যে শে হা বা যে গা-क्यां भा-ा र्या-नार्मा ना-धा | भा-क्या II [] II রে ডে বা বে

গুৰ্জরী-টোড়ী। ত্রিতাল

সকলই ফুরাইল। যামিনী পোহাইল। যে যেখানে সবে চলে গেল॥ রজনীতে হাসিপুশি, হরষপ্রমোদরাশি— নিশিশেষে আকুলমনে চোখের জলে সকলে বিদায় হল॥

11	म्।ः भ	ণ্: ক	জ্ঞা: লি	ঝ: ফু	্ব রা	জ্ঞঝা:	खाः इ	স † ল	-1	ঝা: যা	স: মি	ঝা: নী	ণ: পো	সা: হা	ण्: म् । हे न	-1]
I	জ্ঞা যে	জ্ঞা যে	জ্ঞা থা	জ্ঞা নে	<u>ভ</u> ঞা স	জ্ঞা বে	মা চ	দা ্	জ্ঞমা গে •	-93	il -1 •	-1	স জা	-ঋস • •	1 -গ্ 1	-1	II
I 1	मनाः द	ম: জ	দা নী	ণা তে	র্গা হা	र्म। मि	र्मा थू रि	र्मा ने	ৰ্ঝা হ	र्स्स । त	र्भा। य	র্ঝা প্র	র্স্থা মো•	र्मा १	ণদা রা•	দা শি	I
Ι	দৰ্সা নি•	ণদা শি•	দা শে	পদপা বে••	মা আ	পম কুল	1 ভৱ ম	ভঙা নে	স চো	ঋসা	ণ্। খে র্	স জ্ঞা জ•	জ্ঞা লে	-1 -	· - ۲	-1	Ι
Ι	জ্ঞা শ	ভৱ মা ক •	দা - লে	• I	-1 -1	-1 -0	1	ভ্তম বি •	া ভৱা দায	ঽস া	ল্	-9	্জ্ঞা -ঋ	সা -ণ্	1 -1	II]	ΙI

মিল্ল বেলাওল। একডাল

সধা হে, কী দিয়ে আমি তৃষিব ভোমায়।
জ্ঞরজর হাদয় আমায় মর্মবেদনায়,
দিবানিশি অঞ্চ ঝরিছে সেথায়॥
ভোমার মুখে স্থের হাসি আমি ভালোবাসিঅভাগিনীর কাছে পাছে সে হাসি শুকায়॥

II	স স	রগা খা॰	-মপা মা •• হে	গা কী	-া পা • দি		ণ পা • আ	মা মি	-গা I •
I	রা তু	রগা বি॰	-রা	-র া °	ন্ সা তে৷ মা	-1	-1 -1	-1 •	₩ -1 I 類、
Ι	সা জ	রগমা র • •	-পা মা • জ	গা ব	-1 গা • ফ	গা -1 দ য়্	•	গা মা	-মগা I • ৰ্
Ι	র া ম	-1 द्	রা রা ম বে	-পা •	মা পা দ না	-1	-1 -1	-1	-1 1 ग्र
I	^{गर्जा} मि	-1	-1 =1 -1 • q1 •	-র্সনা • •	ধা -1 নি •	-म श 。。	পা শি	গমা অ॰	-প্রা I ••
I	গা শ	-1 •	-গরা সা •• ব	রা বি	-গরা সা •• ছে	- त्र भ	• •	• n	- II ¶

-1 | मा II र्भा ৰ্দা -। मा मा र्भा - | সা र्भा - I তো ম1 व मृ ৰে • হ থে বু হা नि -| | ^{পর}র্সা I সা নৰ্সা -রা | রা ৰ্সা -1 | 제 -1 -ধপা I -1 মি• • 51 আ লো • বা • সি -1 | -1 I M সা र्जा -ना था ना -था | भा -911 I 41 নী বু • পি কা 4 ভা ছে • 97 ছে I A পা -মা গা -মগা রা | সা -1 1 1 1 -| II II শে • সি হা •• লু কা য়

মিল্ল বেহাগ। কাহারবা

সধি বলো দেখি লো,
নিরদয় লাজ ভোর ট্টিবে কি লো।
চেয়ে আছি, ললনা—
মুখানি তুলিবি কি লো,
ঘোমটা খুলিবি কি লো,
আধফোটা অধরে
হাসি ফুটিবে কি লো॥
শরমের মেঘে ঢাকা বিধুমুখানি—
মেঘ টুটে জোছনা ফুটে উঠিবে কি লো।
তৃষিত আঁখির আশা প্রাবি কি লো—
তবে ঘোমটা খোলো, মুখটি ভোলো,
আঁখি মেলো লো॥

II {গা: ম: পা শর্সা | নর্সাধনা পা: -ম: I গধা পমা গপা মগা | রগা সমা শগা -i } I
স খি ব লো দে খি লো • নির দয় লাফ ডোর্টুট বেকি লো •

I মগা রা ন্ প্ | ন্ ন্ সা -1 I গাং গং মা পধা | মপা মগা রগা সা I চে রে আ ছি ল ল না \cdot মু খা নি তু \cdot লি বি কি লো

I গাং গং মা পধা | মপা মগা রসা সা I निजाः সং না পা | না না না -া I । खा म हो थु॰ जि॰ वि॰ कि॰ ला चा ध का हो चा ध রে •

I গাঃ মঃ মা পধা | মপা মগা ^গসা -i II হা সি ছুটি∙ বে∙ কি৽ লো •

- II { मी: र्गः र्शा मी | नर्माः नः शा नशा I পाः नः शा मी | ना ना ना ना } I म त स्मात त स्मात स्म
- I সা: ন: সা ধা | ণা: ধ: ণধা পা I মা: ধ: পা মগা | ফসা -1 -1 -1 I
 মে ঘ টুটে জোছনা ফু॰ টে উ ঠি বে কি॰ লো • •
- I সা: স: গা গনা | পা: প: ধা ণধা I পা ধপা না ^মধা | পা -1 -1 পধা I ত বি ত জা ৰি র আ শা• পুরা• বি কি লো • তবে
- I সা: ন: সা ধা | ণা: ধ: ণধা পা I মা: ধ: পা মগা | রসা -া -া -া II II ঘোদ টা থোলো মুখ্টি ডো• লো আঁ থি মে লো• লো • •

মিল বেহাগ। ত্রিতাল

সহে না যাতনা।

দিবস গণিয়া গণিয়া বিরদে

নিশিদিন বসে আছি শুধু পথপানে চেয়ে—
স্থা হে, এলে না।
সহে না যাতনা॥

দিন যায়, রাত যায়, সব যায়—
আমি বসে হায়!
দেহে বস নাই, চোখে ঘুম নাই—
শুকায়ে গিয়াছে আঁথিজল।
একে একে সব আশা ঝ'রে ঝ'রে প'ডে যায়॥

II পা মপমা গা: -त: | मता ना मा -1 | গা মা পা -1 | পা शा ণাঃ -ধ: I मि স হে•• যা • • না ব 34 না Ι পা ধা ণা: -ধ: | প্ধা মপা গা - | গা গপা মা মপা | গা গরা সা নি শি॰ দি ন ॰ গ পি বি• য়া র • লে ব সে• আ मा नुमा श्री ना | मा नुमना धन्शा श्री | मा दशमा शा ना | मा दशमा शा ना II প থ পা নে•• চে•• য়ে স্থা•• হে • **9** 4. এ লে•• না • न । भी न भी न । भेर्तभी न भी न । मा नथा II প্রা -1 স্থা পা প্রথপা I স•• ব্-যা যু আ মি• যা য় রা ত্যা সূ न I मा: -श: -श - | शा शा शमशा - | मशमा - । शा शहा | मना -हा मा দেহে ব৽৽ শ না৽৽ ই চো ধে৽ ঘূ ৽ ম ০ ০ য়ু হা 21 ধা थनाः -धः ना -धना मा - भग | भा - 1 - 1 I গি ৰি वा য়া (D.

I भा - । पर्भा - । भा - । पर्भा - । । पर्भा - । । नर्भा - । नर्भा - । नर्भा - । वर्भा
I ধা -না র্মা -রা | র্মা -না ধা -পা | পা -না ধা -র্মা | না -া -া -া ^{-া প} II II ক' ∘ রে ∘ ক' ∘ রে ∘ প' ∘ ডে ∘ কা ∘ • মু

মিল হাষীর। ত্রিভাল

रल ना ला, रल ना, नरे, राय—
भवत्म भवत्म ल्वाता विल, वला रल ना
विल विल विल छात्व कछ मत्न कित्रू—
रल ना ला, रल ना, मरे, राय ॥
ना कि कू किल, ठारिया विल,
राज त्म हिल्या, जाव त्म कित्रल ना ।
किवाद किवाद व'ल कछ मत्न कित्रल—
रल ना ला, रल ना, मरे, राय ॥

हन ना(ना हन ना ॰ भ ॰ ॰ ॰ है। ॰ ॰ ॰ ॰ **ਬ**. ₹ • • • পা -1 | পা আলা পা -1 | পা আলা পা -1 I I পা স্বা র হি কা নো ਵ ম র মে स র মে -1 에 -대 -대 -대 -대 -I 31 - 기 기 -1 87 914 ₹ व्य मा ব ক বি• ছ ব লি॰ তারে ক नि व লি 750 ম নে भा श भा भा न | ना ना ना ना श ना भना II मा 41 न • हा • हि या त हि ক হি না কি 2 - | ध - र्ता - र्ता - । धा - नधा भा - धा भा - । - जा I I 91 27 नि রা শে গে

- I রা বা | গা -ধা পা | গা মগা রা রা | সা 1 1 I
 আমা • বু সে ৽ ৽ ফি ৽ গ রি ল না ৽ •
- I {र्जार्जार्जार्जाना | र्जानधाशाधा | धार्तार्जाना | धानधाशा । सा विद्याद कि क्राव व क क क क क कि कि कि

সিন্ধু-কাফি। ত্রিতাল

হা স্থী, ও আদরে আরো বাড়ে মনোব্যথা।
ভালো যদি নাহি বাসে কেন তবে কহে প্রণয়ের কথা।
মিছে প্রণয়ের হাসি বোলো তারে ভালো নাহি বাসি।
চাই নে মিছে আদর তাহার, ভালোবাসা চাই নে।
বোলো বোলো, সজনী লো, তারে—
আর যেন সে লো আসে নাকো হেথা।

- II ধা -ধণসা ণধা পা | মা মগা মপা মা | মজ্জা রা জ্ঞা পা | মা জ্ঞ মজ্জা জ্ঞ মা রা হা ••• স• বি ও আ'ণ দণ রে আ'ণ রোবাড়ে ম নো•• ব্য• বা
- I সা রা মা পা । ধা ধণসা ণধা পা | পধা ণসা সা সা । ণধা পমা আভরসারা II
 ভা লোয দি না হি॰ ৽ বা৽ সে কেন তবে ক হে প্রণ যের ক • খা
- II মা শধা ধা ণা | সা না সা | শসা না সা সা | সি রি তে প্র গ যে র হা সি বোলোতারে ভালোনাহি বা সি
- I মা মণা ধা ধণা । ধর্মা ণদা পধা প। । পদা ণদা সা সা । ণধা পদা জ্ঞারসারা II II বোলো বোলো । দল নিলো ভা বে আর যেন দে লো আদে নাকো হে । পা

থামাজ। একতাল

হাদয়ের মণি আদরিণী মোর, আয় লো কাছে আয়।
মিশাবি জোছনাহাসি রাশি রাশি মৃত্ মধু জোছনায়।
মলয় কপোল চুমে ঢলিয়া পড়িছে ঘুমে,
কপোলে নয়নে জোছনা মরিয়া যায়।
যমুনালহরীগুলি চরণে কাঁদিতে চায়॥

II	ম1	পা	था	91	ৰ্দা	র্মা সর্রা	ণা	ণা ধা	ধা	-পমা	I
	5	म	য়ে	র	ম	ণি আ-	म	রি ণী	মো	॰ বৃ	
I	মা	-পধা	পা	মা	-গা	গা মা	-1	-1 -	1 -1	-1	I
	পা	• म्र.	লো	কা	•	ছে জা	•	•	• •	• শ্ব্	
I	मन्त्रा	-1	গা		-র1	সা সা	-র1	রা র			I
	যি	•	100	ৰি	•	জে ছ	•	न। र	•	সি	
I	রা	-1	গা	মা	-1	भा । भा	-1	ধা মা	-ধা	পা	I
	রা	•	শি	রা	٠	শি যু	0	ত্ম	•	4 .	
I	মা	-911	মপমা	ं भा	-1	-মগা -রা	-414	-মা -	-পা -া		I
	ৰো	•	£	না	•	••	•	•	• •	ग्न्	
I	মা	-1	মা	781	-1	না সা	-1	ना जी	-1	ৰ্সা	I
	4	•	म	শ্ব	•	ক পো	•	म চू	•	মে	
I	नर्जा	-1	না	ৰ্সা	-1	র্রা ণ্ঠা	-1	ণা খা	7	শা	I
	2	•	नि	য়া	•	প ড়ি•	•	ছে যু	•	মে	

न शांभा न नाशा न भामा न न I I en পোলে • • ন • Ä ন • -1 -1 I I পা মা গা -া মারা -া রা সা -1 • ষ রি • ৰো ছ না রা য • क् -1 위 I রা রা -া রা রা -গরা গা মা I { मा -1 রী ৩ • লি • मुना • न इ •• ষ্ ধা মা -ধা পা মা -া মপমা | গা -া -া} II II I পা -1 • র ণে • কাঁ দি • ডে•• চা • ব্ Б

শ্বরবিতান ছাত্রিংশ খণ্ড প্রকাশিত হয় আখিন ১৩৬০ সালে। এই প্রশ্বের সম্পাদনা করেন ইন্দিরাদেবী চৌধুরানী। গানের রাগ-তাল-নির্দেশ বিষয়ে রমেশচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যায়ের সহযোগিতা পাওয়া গিয়াছে।

এই গ্রন্থের ত্রিশটি গানের স্বর্রলিপির মধ্যে ৫, ৬, ৮, ১১, ২০, ২০, ২৫, ২৬ -সংখ্যক গানের স্বর্রলিপি ইন্দিরাদেবী চৌধুরানী -কৃত ও পাণ্ড্রলিপি হইতে সংক্ষিত। ১-৪, ৭, ১, ১০, ১২-১৯, ২১, ২২, ২৪ ও ২৭-৩০ -সংখ্যক গানের স্বর্রলিপি জ্যোতিরিন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত ও 'স্বর্রলিপি-গীতি-মালা' (১৩০৪) হইতে সংগৃহীত। ৬-সংখ্যক গানের স্বরাস্থরের স্বরন্ধিপি দিনেদ্রনাথ ঠাকুর -কৃত ও 'সঙ্গীতবিজ্ঞান-প্রবেশিকা' পত্রিকার ১৩৩৭ বৈশাথ সংখ্যার প্রকাশিত। 'স্বর্রলিপি-গীতি-মালা' গ্রন্থে উল্লিখিত তথ্যামুসারে ৯, ১০, ১২, ১৫, ১৭, ২৪-৩০ -সংখ্যক গানের স্বর্বরিত্রি জ্যোতিরিন্দ্রনাণ ঠাকুর।

৬, ৮ ও ২২ -সংখ্যক গানের গীতরাতি সম্পর্কে বিশেষ অবহিত হওয়া আবজাক।

এই গ্রন্থে অন্তর্ভুক্ত গান ও স্বর্রলিপি সম্পর্কে এ যাবং সংগৃহীত তথ্যাদি, এবং উহাদের স্থ্রভেদ, ছন্দোভেদ, পাঠভেদ ও রচনাকাল-প্রকাশকাল বর্তমান সংস্করণে (মাণ ১০৭৭) স্থিবিষ্ট হইল। উলিখিত তথ্যাদি সংগ্রহ ও সংকলন করিয়াছেন শ্রীপ্রফুলকুমার দাস।

८६७ : ७२ :

श्रुत्लम/इत्नार्लम

এখনো তারে চোথে দেখি নি
 য়রলিপি-সীতিমালা (১৩০৪) :
 ইমনকল্যাণ— কাওয়ালি (৮ মাত্রা) ছলে ইমন— কাওয়ালি (১৯ মাত্রা) উল্লিখিত

কেন রে চাস ফিরে ফিরে
 ম্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪):
 থেমটা স্থলে আডথেমটা উল্লিখিত।

৮. কেহ কারো মন বুঝে না
স্বর্গলিপি-গীতিমালা (১৩০৪):
আভাঠেকা স্থলে একতালা উলিথিত।

৩|৪ |•|১|২´|৩|

1

-1 I या विका -1 71 ॥ न्। সা রা ত্রা র জ্ঞা বে1 11(4 ₹. কা **C31**, -1 -রলা I I 11 941 প্রপা মুপা TENT -21 পধা -গৰ্মা (1

মা জ্ঞরা -1 শা -97 | -7 त्स्रभ গমা T I an সা রা ভা - | -ન. त्वा । त्य না. 4 *(म*ा 1 (* **事1** | **(羽)**, ₹. -নর্সর্বা र्मा र्मनश -পধণা -मा । नमा -คส์า र्म। I -मा मा I 97 -7 সি | টি. **(**季 গের | হা न I I g ____ I গমা -लर्मा । -लर्मना **4**1 भ्रमा प्रभा 7 60 1: -র: সা -) -রসা III 941 ... I (F) -- | ৰ, **3** লে ব রে. ৰে যা ą. 11 97 -মগা ৷ -মা ধা | না र्भा -র্ব্যা না **अ**श्रभा 91 र्म। -1 I । । { वा - | P. থন | কে - 1 (51 তা CF - I य ल I 9 र्ता । तंका -11 না | সা র্ব। -র্জ্জেম্ -জর্বা **র্বা পর্বর্বা** -लक्षा } I ... I eii ۹, थ | (ल क्ष 1 1 To — | ল ____ - 1না I of -1 | 51 र्मर्त्र। मा | मन्या না - পধণা -र्म। | नर्म। -নর্বা ৰ্মনৰ্ম। I I 31 (₩ লায়, 一 1 fa র বে ۱۹, কা नी 1 I m नमा -नमा -পধপা মপমা মা 441 **35**1: -র: সা -1 রসা I (4 4 a | -म् । य Ţ ৰৌ <u>— | या</u> ग्र . . [ভরা] 1 1 7 -1 | রা म র -98 31 91 মা পা -1 -1 I 11 4 (4 র | পা নে -- | (5 (য়ে, CF | W - I --951 I नश ना श -ধপা মা 91 -91 -211 রগা -মপা मा } I I 41 খি | তে, মি — | লা • ঞা RI I I 41 -1 | र्मा না র্পর্বা मा मन्या -श्रदा -मा । ना र्मा -1 I I q - | 3. ঞা C9 | 4 3 ধা _ I

1 -পর্সা 441 - পश्या प्रभा ষা al I -391 I en ৰে ত্তে রে ৰা कि I 1 1 91 পধপা -नर्गर्ग। -र्मा वा 11 र्भा -1 I I { 4, ব্ नी, 4 1 1 ৰা -ना । मा Ι गर्मा र्ता | र्बका -46041 -क्वर्रा | मी -1 ৰ্বা र्गर्ग। I র ক থা. **5** আ I 91 -1 | 41 নৰ্গৰ্গ 1 मा । मन्धा -র্মা নর্মা -वर्रा र्मा I न - श्रवा I g **一** 1 **(5,** ₹ | ৰে g I ভা **ਜ** I -1 মা । পধা - 9र्म। প্ৰপা বপ্ৰা গা -রা বা -वना ॥॥ -0 -1 I —

খুলে দে তরণী, খুলে দে তোরা
 শ্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪):

মিশ্র বাহার স্থলে বাহার উল্লিখিত।

১০. গেল গো— ফিরিল না স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩•৪) :

ত্রিতাল হলে কাওয়ালি (১৬ মাত্রা) উল্লিখিত।

812 1 1-1312101 -1 -1 -1 -1 41 नर्गर्गा… | সা সমা রা পমা . | _ _ _ _ (স Call বাণ গে म রা গরা সা (4 Б (ল

र्गार्मा मा ··· र्रा মা মা গা মা नध **에** ... দি, পা | কি ভে, 1 { 4 লা, আ প কে I fi -afi et et -1 -1 1 | et -eafát fi afai I et even ভ বে | — | আ <u>—র</u> তা C I স্ব f٩ ব না मा दशका दा -1 -1 -1 -1 1 1 1 । ह तम (भ न । तम -- --

১১. তবে শেষ করে দাও শেষ গান স্বরনিপি-গীতিমালা (১৩০৪): ত্রিতাল স্থলে কাওয়ালি (১৬ মাত্রা) উল্লিখিত।

১২. দাঁড়াও, মাথা খাও, যেয়ো না সথা স্বরনিপি-গীতিমালা (১৩০৪):

ত্রিতাল ছলে কাওয়ালি (১৬ মাত্রা) উল্লিখিত।

७/८

।।।।।२(।७।

১৩. তৃজনে দেখা হল— মধুযামিনী বে স্ববলিপি-পীতিমালা (১৩০৪): বেহাগ-থাছাজ— দাদবা স্থলে বেহাগ— আডথেমটা উল্লিখিত।

১৪. ধীরে ধীরে প্রাণে আমার এসো হে

স্বর্লিপি-গীতিমালা (১৩•৪):

বেহাগ-খামাজ স্থনে বেহাগরা উলিখিত।

১৫. না সজনী, না, আমি জানি স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪):

মিশ্র আসাবরী— কাওয়ালি (৮ মাত্রা) হলে আদোয়ারী— কাওয়ালি (১৬ মাত্রা) উল্লিখিত।

```
812
                             101715 101
               मा शा - न न न व रवाः मः
                                         991
          क नि नि - - न म म
              मा | भा - । भना मा | भा भना भा ममा | भा धना
   <u>না য জ নি | না — আ</u>
                            मि । छ। नि. - छ। नि. । य। निरन
    71
         পমা
    (a
         16
                  পা পা
                         91
                            PHIC
                                 মা পা ণা
                                           PP
                        अ
                            থি | কি
                                    ∌ ∉ৰ,
       F
          বা.
              CF |
                  আ ্স.
              পা | ... | পা
                                    11-1-1-1-1
          পমা
                            नभ
                                47
      C31
          যো
              রে
                            नि
                                (লা
              - 파: | 어머 거에
                           मन्
1 91
     ণধা
         et:
) জা নি
            -- জা iন লো -- I
         লো
            - I · · দণদা পা মা ণা
                                    म्पम
        পদপা
                    শে যে | পুরি বে
     থি বে
```

১৬. পুরানো সেই দিনের কথা

স্বরন্ত্রিপি-গীতিমালা (১৩০৪):

মিল ভূপালী হলে হচ্ ভূপালী উল্লিখিত।

ঙাহ

। । । । । । । ।

-1

मा -1 | मा ··· | शा -1 -1 | 1 1 1 I ··· • ਜ | I ब्रा --- । १, 51 1 1 9

का -1 का का -নুসরা সা ध कि । (छ। ला -- | य ্েস -1 | g1 -91 -1 | 91 সা -1 | 31 সা -1 য় | কার 平 1 位, র | জা 9 41 ¥ - | সা -1 | 111 -1 | 41 I 31 গা 91 -1 धा । - | en e - | en _ •. I A 41 ন্ন সা বে - I গা গা - I সা 11 -সরা সা -1 41 সা -1 | রা -1 | য় 1 মো রা -- ভা -- | 31 ---ডা বে বে সা I রা 511 -1 | সা সা -1 | 11 | স -1 বা -21 51 -1 -1 I 1 4 f --- | 9 লে -- | ছি, ₹, 4 লে C41 | লা • # I र्जा र्जा | ··· I श् श् - | श्ना - ना রা সা -1 I fil -1 | 1 1 1 I··· জি যে | I ৰ কু — | লে ব, ড | লা — য় | I 41

-त्री | र्पा - - - - - - - - - - 1 I ··· | ना र्मना - 1 | धा

नश -1 I

I ता -1 | भा ता -1 | मा -1 917 41 I ŋ — | প্ৰা ৰে ব | মা ৰে — | কা

১৭. প্রয়োদে ঢালিয়া দিছ মন

শর্বালপি-গীতিমালা (১৩০৪):

বেহাগ-খাৰাজ- ত্ৰিতাল হলে থাৰাজ- কাওৱালি (১৬ মাত্ৰা) উদ্লিখিত ।

নৰ্গা

১৮. ফিরায়ো না মৃথখানি স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪)

মিল্ল হামীর— কাওয়ালি (৮ মাত্রা) ছলে হামীর— কাওয়ালি উল্লিখিত। স্বর্গলিপ দীর্ঘমাত্রায় লিখিত।

১৯. বলি গো দন্ধনি, বেয়ো না, যেয়ো না স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪): যোগিয়া স্থলে থট্ উল্লিখিত।

					৩†২ ২´ ৩ • ১					1
ŋ	# 3 1	**1	মা মা	মা	গমপা পা	পা	প া ! প া	পা	শা	I
11	॥ ব	লি	গো স	জ	ি নি যে	• • •	ना (य	49	না	I
I	শদ্	-1	मा । भना	-না	ना ना	41	मा शा	91	পা	I
I	ভা	ৰ্	কা ৷ ছে		সার i যে	8 _	না ্য	•	না	1
	मा . उ	দা থে,	मा मा टम । त	म् 1 ८ग्र	পা পা <u>ডে</u> ফ	ना (थ _़	म ी मी मा । भा	위 호	-무위 후	I
I		-পা র্,	না দুপা ক খা,	মা ভা	পা মা রে বো_	গা গো	মগা ঋা না বো	শা লো	সা । না ।	i
11	। अन	ন্. দা মা	-1 ···	%1 ভা	र्मा र्मा ल, स्म	না ৰ্গ	া শা শা	ৰ্গা	41	1
	ৰ্দা ৰ্দ <u>বি</u> যে		I পৰ্সা I কা	-1 ···	मा भा म स	পা I 				

২১. মা আমার, কেন তোরে মান নেহারি স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪):

মিশ্র ভূপানী— ত্রিভাল ছলে ভূপানী— কাওয়ানি (১৬ মাত্রা) উদ্বিধিত।

২২. মা, একবার দাঁড়া গো হেরি স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪) : মন্ত্র পঞ্চমকে (প্) বড়্জ গণ্য (স) করিয়া স্বরলিপি ক্রত।

২৪. সকলি ফুরাইল। যামিনী পোহাইল স্ববলিশি-গীতিমালা (১৩০৪): গুর্জানী টোড়ী— ত্রিতাল স্থলে টোড়ী— কাওয়ালি (১৬ মাত্রা) উল্লিখিত

২৫. স্থা হে, কী দিয়ে আমি তুষিব তোমায়
স্থানিপি-গীতিমালা (১০০৪):

একতাল স্থান তাল ফেরতা উল্লিখিত।

812 H ાગારાર (ગ N N 577 911 511 | 511 গা গা মগা বা গৱা मना ना | मा -1 -1 -1 } I রগমা F# | FH n n { 21 মি | ড বি 41 €. ্যে আ ব, তো | মা I { >1 ব্রগম্পা 绀 11 মগা রা রা পা -1} I I { * **দর** আ মার * বে न । ना -র্মনা ধা -নধা পা -া মা গা -মগা রা | গরা সনা [4] 14 চে.সে ा नि भी र्मा -1'। र्मा ৰ্সা רי וו וו ביט -1 | 41 र्भा -1 I মা র | মু C • | 3 হে1 (4 **— I** र्मा -1 | নর্সা I fi র্বা -1 | 1 -1 -1 | না -1 I -1 মি ল - I sta I भा मा ना मा । थना भा भा मा Œ, °11 A,

२७. मबी, वला एवि ला

স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪):

মিশ্র বেহাগ— কাহারবা ছলে বেহাগ— কাওয়ালি (১৬ মাত্রা) উল্লিখিত।

812 1 1.13/2/01 मा । ना ধনধা পা -া মধা পপা মমা গঃমগঃ । রুগা রংগম: গা -1 I থি 4 -- | বির দো 66 भग ल : % ভোর বে.কি M I Ι সা: -1 4511: না भा । ना ना সা গ: মা 971 মপা মা ছি | ল - | fa. বি. ₹. Œ মে আ ল না म् থা ভ লি লো I मना: পা মপা মা মা গা গমা: of I মা 51: মা মা মা বি-I মু آ۹, তু | লি কি লো | যো ম Ğ1. ল বি. fø লো I T -1 Pint: পা পৰ্মা না গসা: স: না 91 ना 41 সা A: धनधा 91 দি 10 Ħ (4 5 ÷ বে, F লো অা ফু I 分: ৰ্গ: नर्गाः र्भाना - 1 র্বা নধা | 97: न: 41 ন: ধা था । मि F } I 41 1 14 Ą র ৰে CH যে 51 ধ I নর্সা: -নঃ र्मा श्रा | 41: ধপ: যা গা গমা: ধ: 2 মগা রঙ্গা -1 -1 -1 I CV 1 1 1 (4 श् Ī টে | জো 54 275 (4 লো 1 21 भुक्ष মা श श -1 I সা: গমগা পা: 7: ধা 941 বি. কি ! লো I ৰি কা | থি র আ 4 1 9 রা ख्टा I ত ত. I { र्माः ৰ্সা श्रा । नाः 7: ধা য়া পা - 491 মা প্রা ন: -[2] I {ঘোষ টা লো মুখ্ 15 ে তা লো খা শে লো শে (41

২৭. সহে না যাতনা

चत्रनिभि-गीिंज्याना (১७• 8):

মিশ্র বেহাগ— জিতাল হলে বেহাগ— কাওয়ালি (১৬ মাতা।) উল্লিখিত।

ন্দা I ধা 771 মপা 71 বৃসা স ना সা রা 71 ছি 🤫 4 1 (T) A 4 ৰি সে

| সা নস্না না পা I ··· গা -1 | গমপা -1 মগমা গা | গন্ -রা-৷ আ হি ব দে I ব ল্| না ই, চো খে | ছু ম্

I र्शर्ता - । - र्रमा - । । · · ·

२७. इन ना ला इन ना मह

यतनिभि-गैठियाना (२००८):

মিল্র হার্মার— ত্রিতাল ছলে হার্মার— কাওয়ালি (১৬ মাত্রা) উল্লিথিত। দীর্ঘমাত্রায় স্বরলিপি লিথিত।

২>. হা স্থী, ও আদরে আরো বাড়ে মনোব্যথা

স্ববলিপি-গীতিমালা (১৩০৪):

ত্রিভাল ছলে কাওয়ালী (১৬ মাত্রা) উল্লিখিত।

পাঠভেদ

১. এখনো ভারে চোথে দেখি নি

তারে না দেখা ভাল : স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩-৪)

তারে না দেখাই ভালো : গানের বহি (১৩০০)

গীতবিতান (আখিন ১৩৩৮)

স্থি, বল আমি আঁথি তুলে : স্ববলিপি-গাতিমালা (১৩·৪)

স্থা, আমি আঁথি তুলে : গানের বহি (১৩০০)

গীতবিতান (আশ্বিন ১৩৩৮)

২. ও কেন চুরি করে চায়

হুকোতে গিয়ে : রবিচ্ছায়া (বৈশাখ ১২৯২)

গীতবিতান (আশ্বিন ১৩১৮)

লুকোতে গিয়ে : বরলিপি-গাঁতিমালা (১৩০৪)

হাসি, হেসে পালায় : স্বরলিপি-গাঁতিমালা (১৩-৪)

হাসি, হেসে পলায় : রবিচ্ছায়া (বৈশাথ ১২৯২)

গাঁতবিতান (আশ্বিন ১৩৩৮)

৬. কথন বসন্ত গেল, এবার হল না গান

যতগুলি পাথী ছিল গেয়ে বুঝি চ'লে গেল,

সমীরণে মিলে গেল বনের বিলাপ ভান।

ভেঙেছে ফুলের মেলা, চ'লে গেছে গ্রাম থেলা,

এতক্ষণে সন্ধ্যাবেল। জাগিয়। চাহিল প্রাণ।

কথন্ বসন্ত গেল, এবার হ'লে। না গান ॥

—মোট চারটি স্তবকের তৃতীয় স্থবক : গীতবিভান (আশ্বিন ১৩৩৮)

৮. কেহ কারে মন বুঝে না

কেহ কারো মন বুঝে না…

চোথের জলে মরে যায় : রবিচ্ছায়া (বৈশাথ ১২৯২)

গীতবিতান (আখিন ১৩৩৮)

কেহ কারো মন বোঝে না…

চোথের জলে ঝরে' যায় : স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪)

ভাঙ্গিয়ে ফেলেছি হাল : রবিচ্ছায়া (বৈশাথ ১২৯২)

গীতবিতান (আখিন ১৩৫৭)

শ্রোভ বয়ে যায় যে…

ভান্ধিয়া ফেলেছি হাল : স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪)

১২. দাড়াও, মাপা খাও, যেয়ো না স্থা

আরত চাহিনে কিছু : রবিচ্ছায়া (বৈশাথ ১২৯২)

গীতবিতান (আখিন ১৩৫৭)

আর তে। চাহি না কিছু : স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩ • ৪)

১৪. ধীরে ধীরে প্রাণে আমার এসো হে

धीरत धीरत श्रारा व्यामात : त्रविष्टाग्ना (रेवनाथ ১२२२)

গীতবিতান (আখিন ১৩৫৭)

ধীরি দীরি প্রাণে আমার : স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪)

फिलाएश ना ग्थथानि

স্থানর বহি (১৩০০)

স্বর্লিপি-গীতিমালা (১৩০৪)

স্থার রজনী : স্থাতবিতান (আখিন ১৩৩৮)

২১. সা আমার, কেন ভোরে মান নেহারি

দেরে করতারি : গীতবিতান (আখিন ১৩৫৭)

দেরে করতালি : শ্বরলিপি-গীতিমালা (১৩০৪)

২৮. হল না লো, হল না, সই, হায়

হল না লো হল না সই : স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩-৪)

ट्रांलना ट्रांलना म^{डे} : त्रविष्हांग्रा (देवनाथ ১२२२)

গীতবিতান (আশ্বিন ১৩৩৮)

৩ -. হৃদয়ের মণি আদরিণী মোর

চরণে কাঁদিতে চায় : রবিচ্ছায়া (বৈশাথ ১২৯২)

গীতবিতান (আখিন ১৩৫৭)

চরণে পড়িতে চায় : স্বরলিপি-গীতিমালা (১৩-৪)

রচনাকাল/প্রকাশকাল

গাৰ	র	ह ना	প্ৰকাপ	বর্গ	नि
	তারিখ/স্থান	তারিখ-প্রাধিয়া	₹	সাময়িক পত্ৰ/গ্ৰ	ম্ব পর্লিপিকার
এখনো তারে চোখে দেখি নি			গানের বহি	গীতিমালা	জ্যোতিরিজ্ঞনাথ ঠাকুর
ওকি দখা, মৃছ আঁখি			রবিচ্ছায়া	গীতিমালা	জ্যোতিরিজনাথ ঠাকুর
ও কেন চুরি করে চায়			রবিচ্ছায়া	গীতিমালা	জ্যোতিরিজ্রনাথ ঠাকুর
ওগো ভোরা কে যাবি পারে		•	গানের বহি	গীতিমাল।	ভ্যোতিরিজনাথ ঠাকুর
ওহে হুন্দর, মম গৃহে আজি	ર ૭. ૧.[১७∙૨	পাঙ্গিপি	কাব্যগ্রন্থাবলী	!	
কখন বসস্ত গেল			কড়ি ও কোমল	সঙ্গীতবিজ্ঞান বৈশাধ ১৩৩৭	দিনেন্দ্রনাপ ঠাকুর
কেন রে চান ফিরে ফিরে			রবি চ্ছায় া	গীতিমাল।	জ্যোতিবিজ্ঞনাথ ঠাকুর
কেহ কারো মন বুঝে না			রবিচ্ছায়।	গীতিমালা	জ্যোতিবি <u>জ</u> নাথ ঠা কুর
খুলে দে তরণী, খুলে দে তোরা		!	রবি চ্ছা য়া	গীতিমাল।	জ্যোতিবিন্দ্রনাথ ঠাকুর
গেল গো— ফিরিল না			র বিচ্ছায় া	গীতিমাল।	জ্যোতিরিজ্বনাথ ঠাকুর
তবে শেষ করে দাও শেষ গান		1	গানের বহি	গীতিমাল।	জ্যোতিরিজ্ঞনাথ ঠাকুর
দাড়াও, মাথা খাও, যেয়ো না	:	:	় রবিজ্ঞায়া	গীতিমাল।	স্বোতিরিজ্ঞনাথ ঠাকুর
ত্জনে দেখা হল			্ ভারতী পৌষ ১২৮৭ রবিচ্ছায়া	গীতিমাল। শতগান	ন্ধ্যোতিরিজ্ঞনাথ ঠাকুর সরলাদেবী
ধীরে ধীরে প্রাণে আমার			রবিচ্ছায়া	গীতিমালা	জ্যোতিরিজ্ঞনাথ ঠাকুর
না সজনী, না, আমি জানি	:	1	রবিচ্চায়া	গীতিমাল।	জ্যোতিরিজনাণ ঠাকুর
পুরানো সেই দিনের কথা			রবিচ্ছায়া	গীতিমালা	জ্যোডিরিক্সনাথ ঠাকুর

পাৰ	রচনা		প্রকাশ	শ্বর্নিপি	
	ভারিশ/যান	ভারিৎ-প্রাপ্তিস্থান		সাময়িক পতা / গ্ৰন্থ	ষরলিপিকার
প্রমোদে ঢালিয়া দিছ মন			রবিত্ছায়া	গীতিমালা	জ্যোতিরিন্দ্রনাথ ঠাকুর
কিরায়োনা মূগধানি	i		গানের বহি	গীতিমালা	জ্যোতিরিশ্রনাথ ঠাকুর
বঁধু, মিছে রাগ কোরে। না	১ •. ৬.[১৩•	৪] পাণুলিপি		1	
विन तथा मकनी, त्यत्या ना			রণিচ্চায়া	গীতিমালা	জ্যোতিরি ন্দ্রনাথ ঠাকুর
মা আমার কেন ভোরে			!	গীতিমাল।	জ্যোতিরি জ্রনাথ ঠাকুর
মা, একবার দাঁড়া গে। হেরি			রবিচ্ছায়া	গীতিমাল।	জ্যোতিরি <u>জ</u> নাথ ঠাকুর
যাহা পাও, ডাই লও		1	গানের বহি		
जकनि क्ताहेन, गभिनी	I		রবিচ্ছায়।	গীতিমাল।	জ্যোতিরি ত্রনাথ ঠাকুর
সধা হে, কী দিয়ে আমি তুঘিব	:		রবিচ্ছায়।	গাতিমালা	জোতিরিক্রনাথ ঠাকুর
भशे, बरमा ८४ थि ला			ভারতী পৌষ ১২৮৭ রবিচ্ছায়া	গীতিমালা	জ্যোতিরিভ্রনাথ ঠাকুর
সহে না যাতনা			রবিচ্ছায়।	গীতিমাল।	ভ্যোতিরিক্রনাণ ঠাকুর
হল নালোহল নাশই	•		রবিচ্ছায়া	গীতিমালা	জ্যোতিরিজ্ঞনাথ ঠাকুর
হা স্থী, ও আদরে			রবিচ্ছায়া	গীতিখাল!	জোতিরিশ্রনাথ ঠাকুর
হৃদয়ের মণি আদরিণী	•	İ	রবিচ্ছায়া	গীতিমালা :	জ্যোভিরিন্দ্রনাথ ঠাকুর

গীতিমালা অধ্বলিপি-গীতিমাল। (১৩-৪)। সঙ্গীতবিজ্ঞান সঙ্গীতবিজ্ঞান প্ৰবেশিকা পত্ৰিকা। তালিকার উল্লিখিত গ্ৰন্থগুলির প্ৰকাশকাল:

গানের বহি = পানের বহি ও বালীকি-প্রতিজা : ১০০০। রবিচ্ছারা : বৈশাধ ১২৯২। কাবাগ্রন্থাবলী : ১৩০৩। কড়ি ও কোমল : ১২৯৩।

অধিকতর হুনির্দিষ্ট ও অধুনা বিশ্বভারতী-অনুস্ত আকারমাত্রিক বরলিপি -পদ্ধত্রের সংক্ষিপ্ত বাাধার্য

- > সার গম প ধ ন— সপ্তক। থাদ-সপ্তকের চিহ্ন স্বরের নীচে হসস্ক, যথা— প্, ধ্, এবং উচ্চ-সপ্তকের চিহ্ন স্বরের মাথায় রেফ, যথা— স্প, র্।
- ২ কোমল র— ঋ, কোমল গ— জ্ঞা, কড়ি ম— ऋা, কোমল ধ— দ এবং কোমল ন— ণ।
- अ\ অতিকোমল ঝবভ। অতিকোমল ঝবভের ছান স ও ঋ অরম্বরের মধ্যবর্তী। জ্ঞ >, দ >, ণ > যথাক্রমে অতিকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিষাদ।
 ঋ\ অবুকোমল ঝবভ। অবুকোমল ঝবভের ছান ঋ ওর অরম্বরের মধ্যবর্তী।
 জ্ঞ >, দ >, ণ > যথাক্রমে অবুকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিষাদ।
- ৪ একমাত্রা । অর্থমাত্রা :। দিকিমাত্রা •। ছইটি অর্থমাত্রা, যথা— সরা। চারিটি সিকিমাত্রা, যথা— সরগমা। ছইটি সিকিমাত্রা, যথা— সরঃ। একটি সিকিমাত্রা, যথা— স॰। একটি অর্থমাত্রা ও ছইটি সিকিমাত্রা মিলিয়া একমাত্রা, যথা— সঃ গরঃ। একটি দেড়মাত্রা ও একটি অর্থমাত্রা মিলিয়া ছই মাত্রা, যথা— রাঃ গঃ।
- কোনো আসল স্বরের পূর্বে যদি কোনো নিমেযকালয়ায়ী আরুযদিক স্থর একট্ট ছুইয়া যায় মাত্র, তাহা হইলে সেই স্থরটি কুদ্র অক্ষরে আসল স্থরের বাম পার্দে লিখিত হয়, য়গা— মরা গরা। আসল স্থরের পরে য়দি কথনো অভ্য স্থরের স্কৃত্র রেশ লাগে, তথন ঐ স্থর কুদ্র অক্ষরে দক্ষিণ পার্মে লিখিত হয়, য়থা— রাম।
- বিরামের চিহ্ন ও মাত্রাসমূহের চিহ্ন একই; হাইফেন-বঞ্জিত হইলে এবং
 খরাক্ষরের গায়ে সংলগ্প ন। থাকিলেই সেই মাত্রা, বিরামের মাত্রা বলিয়া
 বৃঝিতে হইবে। খ্রের ক্ষণিক শুদ্ধতাকে বিরাম বলে।
- গ ভাল-বিভাগের চিহ্ন এক-একটি দাঁড়ি। সমে ও সম্ হইতে ভালের এক ফেরা হইয়া গেলে দাঁড়ির ছলে I এরপ একটি 'দও' চিহ্ন বদে। প্রায় প্রত্যেক কলির আরভ্যে চ্ইটি দও বদে। যেথানে গান একেবারে শেষ হয় সেধানে চারিটি দও বদে।
- ৮ মাত্রাসমষ্টি ভিন্ন ভিন্ন গুচ্ছে বিভক্ত, প্রত্যেক গুচ্ছের প্রথম মাত্রার শিরোদেশে ১, ২, ৩, ৪, ইভ্যাদি সংখ্যা বিভিন্ন ভালাফ্ল নির্দেশ করে। শৃক্ত-চিহ্নে (•) কাঁক ও যে সংখ্যায় রেফ-চিহ্ন থাকে (১) ভাহাতেই সম্বুঝিতে হইবে।
- আছায়ীতে প্রত্যাবর্তনের চিহ্নস্বরূপ ছইটি করিয়া দও বদে। কোনো কলির শেষে এই II মুগল দও এবং সব শেষে II II ছই ভোড়া দও দেখিলেই আছায়ীর প্রথমে যেখানে মুগল দও আছে সেইখান হইতে আবার আরম্ভ করিবে।

- ১০ আছায়ীর আরল্পে, II এই য়ুগল দণ্ডের বাহিরে গানের অংশ গান ধরিবার সময় একবার মাত্র গাহিবে; কারণ প্রত্যেক কলির শেষে এই অংশটুকু "" এরূপ উদ্ধৃতি-চিক্লের মধ্যে পুনঃপুনঃ লিখিত হইয়া থাকে।
- ১১ অবসানের চিক্র, শিরোদেশে যুগল দাঁড়ি, যথা— সা। হয় এইথানে
 একেবারে থামিবে; নয় এইখানে থামিয়া গানের অন্ত কলি ধরিবে।
- ১২ পুনরাবৃত্তির চিক {} এই গুদ্দবন্ধনী, এবং পুনরাবৃত্তিকালে কতকগুলি স্বর বাদ দিয়া ঘাইবার চিক ()এই বক্র বন্ধনী, যথা— [সা রা(গা মা)]। মা পা।
- ১৩ পুনরাবৃত্তিকালে কোনো স্বরের পরিবর্তন হইলে, শিরোদেশে [] এই সরল
 [রা গা]
 বন্ধনীচিক্রের মধ্যে পরিবর্তিত স্বরগুলি স্থাপিত হয়; যথা—{সা রা গা}।
 কলির শেষে যুগল দণ্ডের মধ্যে ও সব-শেষে ত্ই প্রস্থ যুগল দণ্ডের মধ্যে
 [] এই সরল বন্ধনী থাকিলে, যথা— I [] I, II [] II, আস্থায়ীতে ফিরিয়া
 পরিবৃত্তিত স্বর গাহিতে হয়।
- ১৪ কোনো এক স্বর যথন আর-এক স্বরে বিশেষরপে গড়াইয়া যায়, তথন স্বরের নীচে ৣ এইরপ মীড-চিক্ত থাকে, যথা— ণা -পা।
- ১৫ যথন স্বরের নীচে গানের অকর না থাকে, তথন সেই স্বর বা স্বরগুলির বাম পার্যে চাইফেন (-) বদে এবং গানের পঙ্ক্তিতে শ্লা (•) দেওয়া হয়; য়থা — সা -া -া -া অথবা— সা -রা -গা -মা। একই স্বর পৃথক ঝোঁকে
 মা • • • মা • • •

উচ্চারিত হইলে সেই স্বরের বাম পার্যেও হাইফেন বসে; যথা— দা -দা -রা -রা। অথবা— দা -দা -রা -রা।

া • • • গা • • ন

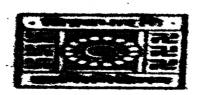
১৬ নীচে গানের অক্ষর স্বরাস্থ না হইলে উপরে স্বরের বাম পার্বে হাইকেন (-) বলে; যথা— সা -রা -গা -মা । সা -া -া -া ।

গা • • ন্ গা • • ন্

উচ্চারণ। স্বরনিপির ভিতরে প্রায় সব কথার বানান যথাসাধ্য উচ্চারণ-অভ্যায়ী বিশ্লেষ করিয়া দেখাইতে যত্ন করা হইয়াছে। ে — এ এবং ে — অ্যা, যেরূপ বেদনা ও বেলা শব্দের প্রথম ব্যঞ্জনাশ্রিত একারের মৃত্রণে ইন্ধিত করা হইয়াছে। তাহা ছাড়া 'অবেলায়' বিশ্লেষিত হইলে ছাপা হয়— অ বে লা য় 'মনে'— ম নে।



স্থাবিতান ৩২



युक्ता ५७ -- हाका